दैनिक

पुष्पांजली टुडे

MPHIN/2021/83938

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः4 : अंकः 57 | ग्वालियर, शुक्रवार 8 नवम्बर 2024 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

बाल संप्रेक्षण गृह में विधिक साक्षारता शिविर आयोजित

ग्वालियर । मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ग्वालियर द्वारा प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री पीसी गुप्ता के मार्गदर्शन में न्यायोत्सवः विधिक सेवा सप्ताह जिले में जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में गुरुवार को बाल संप्रेक्षण गृह ग्वालियर विधिक साक्षरता शिविर आयोजित किया गया।

शिविर में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण आशीष दवंडे, प्रिंसिपल मजिस्ट्रेट किशोर न्यायबोर्ड श्रीमती रुपाली उइके व जिला विधिक सहायता अधिकारी दीपक शर्मा ने संप्रेक्षण गृह में रह रहें बालकों को बालकों को मैत्री पूर्ण विधिक सेवाएं एवं उनका संरक्षण योजना, निशुल्क विधिक सहायता,किशोर न्याय बालकों का देखरेख एवं संरक्षण अधिनियम के प्रावधानों से अवगत कराया। साथ ही बालकों से संवाद कर उनका हाल जाना। विधिक साक्षरता शिविर के बाद बाल संप्रेक्षण गृह का निरीक्षण भी किया गया। बाल संप्रेक्षण गृह के निरीक्षण के बाद सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ग्वालियर श्री आशीष दवंडे, प्रिंसिपल मजिस्ट्रेट किशोर न्यायबोर्ड श्रीमती रुपाली उइके, जिला विधिक सहायता अधिकारी दीपक शर्मा ने वन स्टॉप सेंटर, मां कैला देवी बालिका गृह एवं कंपू स्थित महिला सुधार गृह का निरीक्षण भी किया। इस अवसर पर प्रभारी बाल संप्रेक्षण गृह अधीक्षक राघवेंद्र धाकड़, हाउस मास्टर सुश्री मंगला पनहालकर,परिवीक्षा अधिकारी दिनेश लोहिया, विधिक सहायता से देव कृष्ण सिकरवार सहित बाल संप्रेक्षण गृह का स्टाफ एवं संप्रेक्षण गृह के बालक उपस्थित रहे।

नब्ज पर हाथ

-अजीत द्विवेदी

कोई तो सोचे जलवायु परिवर्तन पर?

नवंबर का महीना शुरू हुआ तो एक आंकड़ा सामने आया कि इस साल का अक्टूबर पिछले सवा सौ साल का सबसे गर्म अक्टूबर रहा। भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक 1901 के बाद इस साल यानी 2024 का अक्टूबर महीना औसत और न्यूनतम तापमान के लिहाज से सबसे गर्म अक्टूबर रहा। राजधानी दिल्ली में 1951 के बाद इस साल अक्टूबर में सबसे ज्यादा गर्मी रही। पूरे अक्टूबर में दिल्ली में एक बूंद बारिश नहीं हुई। इसमें संदेह नहीं है कि अक्टूबर के इतना गर्म रहने का कारण वैश्विक तापमान में बढ़ोतरी है। तभी जापान में भी 1898 के बाद इस साल अक्टूबर सबसे गर्म रहा। लेकिन तापमान में इस बढ़ोतरी के लिए भारत की आंतरिक स्थितियां भी जिम्मेदार हैं। यह भी अनुमान लगाया जा रहा है कि नवंबर भी गर्मी का रिकॉर्ड तोड़ सकता है। भारत, पाकिस्तान और पश्चिम एशिया के देशों के साथ साथ जापान में भी अक्टूबर और नवंबर में रिकॉर्ड गर्मी का अनुमान है।

असल में मौसम के चक्र पर बढ़ता तापमान हावी होता जा रहा है। वैश्विक तापमान में अनुमान से ज्यादा तेजी से बढ़ोतरी हो रही है और जैसे जैसे तापमान बढ़ता है वैसे वैसे नमी में बढ़ोतरी होती है और फिर उसी अनुपात में ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा बढ़ती है। इनका मिला जुला असर यह होता है कि ताप सूचकांक यानी महसूस की जाने वाली गर्मी जिसे 'वेट बल्ब टेम्परेचर' कहा जाता है, वह भी बढ़ जाता है। सरल भाषा में कहें तो तापमान जितना दिखता है उससे ज्यादा महसूस होने लगता है।

तभी हर बार जब लोग यह कहते हैं कि पहले कभी इतनी गर्मी नहीं लगी तो वे असर में महसूस होने वाली गर्मी की बात कर रहे होते हैं। अब 45 डिग्री तापमान पर भी महसूस होने वाली गर्मी 50 डिग्री वाली होती है। अगर ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन कम नहीं होगा, वैश्विक तापमान का बढ़ना रूकेगा नहीं और मौसम का चक्र ठीक नहीं होगा, तो गर्मी इसी तरह बढ़ती रहेगी।

ऐसा नहीं है कि मौसम का चक्र बिगड़ने से सिर्फ गर्मी बढ़ेगी। सर्दी भी बढ़ेगी और बारिश भी ज्यादा होगी। और वह भी संतुलित नहीं होगी। अभी हमने देखा कि कैसे जाती हुई मानसून की बारिश से कर्नाटक और तमिलनाडु के कई हिस्सों में भारी तबाही मची। मौसम विभाग ने 15 अक्टूबर को मानसून की वापसी की आधिकारिक घोषणा कर दी उसके बाद कर्नाटक में राजधानी बेंगलूरू सहित मध्य और दक्षिण हिस्से के कई जिलों में भारी बारिश हुई, जिससे जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया। उसी समय तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई सहित कई हिस्सों में भारी बारिश हुई। इसकी वजह से अनेक ट्रेनें रद्द करनी पड़ी और हवाई सेवाएं भी प्रभावित हुईं। अभी ओडिशा सहित सात राज्यों में चक्रवाती तूफान दाना का असर दिखा। ऐसे तूफानों की आवृत्ति भी बढ़ती जा रही है।

मौसम विभाग के हिसाब से इस साल मानसून सामान्य रहा है लेकिन बिहार, झारखंड, ओडिशा सहित पूर्वी भारत के बड़े हिस्से में सूखे के हालात बन गए। अनेक राज्यों में सामान्य से कम बारिश हुई। बारिश का इस तरह असमान होना, हीट वेव के दिन बढ़ना और भीषण सर्दी के दिनों में बढ़ोतरी होना स्थायी परिघटना है। इसका असर आम लोगों के जीवन पर तो दिख ही रहा है यह देश की अर्थव्यवस्था को भी बुरी तरह से प्रभावित करेगा।

एशियाई विकास बैंक यानी एडीबी की एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत और पूरे एशिया प्रशांत में जलवायु परिवर्तन का बड़ा असर सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी पर दिखाई देगा। एडीबी की 'एशिया प्रशांत जलवायु रिपोर्ट 2024' के मुताबिक अगले करीब 50 साल में जलवायु परिवर्तन का एशिया प्रशांत की जीडीपी को करीब 17फीसदी और भारत की जीडीपी को करीब 25 फीसदी तक का नुकसान हो सकता है। इस रिपोर्ट के मुताबिक वैश्विक तापमान में बढ़ोतरी और मौसम का चक्र बिगड़ने से समुद्र का स्तर बढ़ेगा और श्रम उत्पादकता में कमी आएगी, जिसकी वजह से अर्थव्यवस्था पर बड़ा असर होगा। कम आय और कमजोर अर्थव्यवस्था वाले देश इसका ज्यादा बड़ा शिकार होंगे। इतना ही नहीं करीब 30 करोड़ लोगों का जीवन तटीय बाढ़ की वजह से खतरे में पड़ेगा।

सवाल है कि इतना बड़ा संकट सामने खड़ा है तो इसकी चिंता किसको है? क्या भारत में कोई इस बारे में सोच रहा है? नेट जीरो का जुमला बार बार बोला जा रहा है लेकिन कार्बन उत्सर्जन जीरो करना तो छोड़िए उसे कम करने के लिए कोई ठोस उपाय हो रहा है? पूरे देश में प्राकृतिक संसाधनों का बेहिसाब दोहन जारी है। जंगल काटे जा रहे हैं। अभी छत्तीसगढ़ में हसदेव जंगल काटने की तस्वीरें और वीडियो खूब वायरल हुए लेकिन किसी पर कोई असर नहीं हुआ। वहां अडानी समूह की कोयला खदानें हैं। जंगल काट कर कोयला निकाला जाएगा यानी पर्यावरण के लिए दोहरा संकट है। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश की दुर्दशा किसी से छिपी नहीं है। एक के बाद एक शहर उजड़ते जा रहे हैं क्योंकि पहाड़ों पर लगातार हो रहे खनन और निर्माण कार्य की वजह से पहाड़ दरक रहे हैं।

बड़ी बड़ी पनबिजली परियोजनाओं और दूसरे कल कारखानों की वजह से पहाड़ टूट रहे हैं। लोगों के घरों में दरार आ रही है, जिसकी वजह से मजबूरी में लोगों को घर छोड़ कर जाना पड़ रहा है। पहाड़ काट कर सड़कें और सुरंगें बनाई जा रही हैं। लेकिन उसी अनुपात में सुरंगें धंस रही हैं और सड़क टूट रहे हैं। पर्यटन बढ़ाने के नाम पर बड़े बड़े रिसॉर्ट बन रहे हैं और उसी अनुपात में हर साल आने वाली प्राकृतिक आपदा भी बढ़ती जा रही है। जंगल कट रहे हैं, पहाड़ टूट रहे हैं और नदियां प्रदूषित हो रही हैं। देश की शायद ही कोई पवित्र नदी होगी, जिसका पानी नहाने या आचमन करने योग्य रह गया है। भूमिगत जलस्तर यानी ग्राउंडवाटर टेबल लगातार नीचे जा रहा है, जिससे पीने के पानी से लेकर सिंचाई तक का काम मुश्किल होता जा रहा है।

दुनिया के बहुत से देशों में ऐसी स्थिति है लेकिन भारत के लिए ज्यादा चिंता की बात यह है कि इस समस्या को लेकर किसी भी स्तर पर गंभीरता नहीं दिख रही है। सरकार को कथित विकास, जीडीपी के आंकड़े और तीसरी सबसे बड़े अर्थव्यवस्था बनने की चिंता है। कोई भी पार्टी इसे लेकर गंभीर नहीं है। देश के कारोबारी घरानों में कभी भी इन बातों को लेकर सरोकार नहीं रहा है। उनके लिए परमार्थ के काम का मतलब है कि अपने पूर्वजों के नाम पर फाउंडेशन बना कर उसके जरिए काले धन को सफेद करना और टैक्स चोरी करना। पर्यावरण को लेकर ले देकर एक थिंकटैंक सेंटर फॉर साइंस एंड एन्वायरमेंट यानी सीएसई दिखता है या इक्का दुक्का पर्यावरणविदों का निजी प्रयास दिखता है।

किसी पॉलिसी प्लेटफॉर्म पर इसकी चर्चा नहीं है कि प्रकृति का आगे क्या रूप होगा। साल दर साल समस्या बढ़ती जा रही है और सरकारें तात्कालिक मुद्दों पर फायर फाइटिंग कर रही हैं। दीर्घावधि के लिए किसी के पास कोई योजना नहीं है। सब कुछ भगवान भरोसे है और इन्हीं स्थितियों के बीच अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप चुनाव जीत गए हैं। अब वैश्विक स्तर पर भी जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों से निपटने के लिए होने वाले प्रयास धीमे होंगे, जिससे भारत की चुनौतियां और बढ़ेंगी।

अमेरिका में फिर ट्रंप सरकार

अमेरिका के चुनाव में नतीजा एकतरफा। ट्रंप ने गिनती पूरी होने से पहले ही 538 से 277 वोट हासिल किए।

नई दिल्ली ■

अमेरिका में मंगलवार को हुए राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप जीत गए हैं। रिपब्लिकन पार्टी के डोनाल्ड ट्रंप ने डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार भारतवंशी कमला देवी हैरिस को हरा दिया। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए इलेक्टोरल कॉलेज के 270 वोट हासिल करना जरूरी होता है। देर शाम तक ट्रंप ने 277 वोट हासिल करके जरूरी बहुमत हासिल कर लिया है। कुछ राज्यों में अब भी गिनती चल रही थी लेकिन वहां भी ट्रंप ने बढ़त बना रखी है। खबर लिखे जाने तक कमला हैरिस को 224 सीटें मिली थीं।

मतदान से पहले तक मुकाबला कांटे का बताया जा रहा था लेकिन नतीजा एकतरफा हो गया। अमेरिकी चुनावी व्यवस्था के मुताबिक राष्ट्रपति लोकप्रिय वोट से नहीं चुना जाता है। देश के 50 राज्य और कोलंबिया डिस्ट्रिक्ट लोगों के वोट से इलेक्टोरल कॉलेज के 538 प्रतिनिधि चुने जाते हैं। अमेरिका में ऐसी व्यवस्था है कि जिसको लोकप्रिय वोट ज्यादा मिलेंगे उस राज्य के इलेक्टोरल कॉलेज के सारे वोट उसको मिल जाएंगे। अलग अलग राज्यों की जनसंख्या और आकार के हिसाब से उनके वोट तय हैं। ट्रंप ने गिनती पूरी होने से पहले ही 538 से 277 वोट हासिल कर लिए।

इस जीत के साथ ही डोनाल्ड ट्रंप ने इतिहास बना दिया। वे 2016 में पहली बार राष्ट्रपति बने थे और 2020 में जो बाइडेन से हार गए थे। इस बार जीत के साथ ही ट्रंप दूसरे विश्व युद्ध के बाद पहले राजनेता हैं, जो चार साल के अंतर के बाद दोबारा राष्ट्रपति बनेंगे। साथ ही अमेरिकी इतिहास में ट्रंप पहले नेता हैं, जिन्होंने राष्ट्रपति चुनाव में दो बार महिला उम्मीदवारों को हराया है। अमेरिका में ऐसा सिर्फ दो बार 2016 और 2024 में हुआ, जब महिला राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार बनी थीं। ट्रंप ने 2016 में हिलेरी क्लिंटन को हराया था।

अमेरिका में इस बार का राष्ट्रपति चुनाव पहले से ही नजदीकी मुकाबले का माना जा रहा था। सारा दारोमदार सात बैटलग्राउंड राज्यों का था, जहां पलड़ा किसी तरह झुक सकता था। बाकी राज्यों में नतीजे पहले से तय थे और उसी के हिसाब से नतीजे आए भी। लेकिन सात बैटलग्राउंड स्टेट में सबकी उम्मीदों से उलट नतीजे आए। सभी सातों राज्यों में ट्रंप जीत गए हैं या बढ़त बना रखी है। पिछले चुनाव में बैटलग्राउंड या स्विंग स्टेट्स में से ट्रंप छह राज्यों में हार गए थे। इस बार रिपब्लिकन असर वाले राज्यों के साथ साथ वे सभी स्विंग स्टेट्स में भी जीते हैं। उनको विस्कॉसिन, जॉर्जिया, पेन्सिलवेनिया, मिशिगन, नेवाडा, एरिजोना और नॉर्थ कैरोलिना में बहुमत मिला। पिछले चुनाव ट्रंप सिर्फ नॉर्थ कैरोलिना में जीते थे। इन राज्यों की सभी 93 सीटें ट्रंप के खाते में गईं। गौरतलब है कि डेमोक्रेटिक पार्टी ने पहले राष्ट्रपति जो बाइडेन को उम्मीदवार बनाया था। लेकिन बढ़ती उम्र और सेहत की वजह से वे पीछे हट गए और उसके पार्टी ने उप राष्ट्रपति कमला हैरिस को उम्मीदवार बनाया। शुरू में कमला हैरिस को ट्रंप के ऊपर बढ़त थी लेकिन चुनाव आगे बढ़ने के साथ ही उनकी बढ़त कम हो गई। इस बीच एक रैली में ट्रंप के ऊपर हमला हुआ, जिसमें गोली उनके कान को छूकर निकल गई। उसके बाद उनकी लोकप्रियता बढ़ने लगी। दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी इलॉन मस्क चुनाव में उनका समर्थन कर रहे थे।

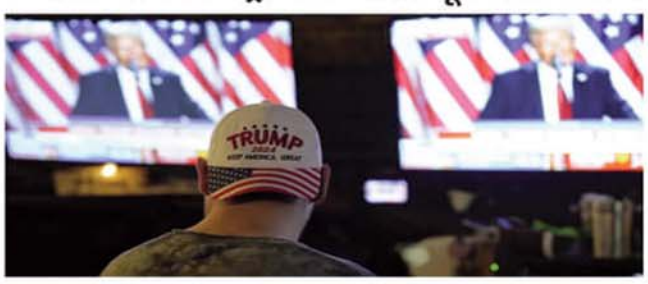

मोदी ने ट्रंप को बधाई दी, पुतिन ने नहीं दी

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति का चुनाव जीतने के बाद डोनाल्ड ट्रंप को दुनिया भर से बधाई संदेश मिल रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनको जीत की बधाई दी लेकिन देर रात तक रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने उनको बधाई नहीं दी थी। हालांकि रूस का हमला झेल रहे यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलदोमीर जेलेंस्की ने ट्रंप को बधाई दे दी है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने भी बधाई नहीं दी। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर सहित अनेक नेताओं ने उनको बधाई दी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने बधाई संदेश में कहा- मेरे दोस्त डोनाल्ड ट्रंप को इस ऐतिहासिक जीत पर हार्दिक बधाई। हम मिल कर अपने लोगों के बेहतर भविष्य और दुनिया में शांति, स्थिरता और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए काम करें। रूस के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने बधाई देने की बजाय कहा- राष्ट्रपति पुतिन का ट्रंप को बधाई देने का कोई इरादा नहीं है। अमेरिका यूक्रेन जंग को खत्म करने में अहम भूमिका निभा सकता है। चीन की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा- अमेरिका के प्रति हमारी नीति हमेशा एक जैसी रही है। हम चीन और अमेरिका के संबंधों को आपसी शांति और सम्मान के आधार पर आगे बढ़ाते रहेंगे। नेतन्याहू ने ट्रंप की जीत को ऐतिहासिक बताते हुए कहा- ट्रंप ने शानदार वापसी की है, यह ऐतिहासिक है। व्हाइट हाउस में आपकी वापसी अमेरिका की एक और शुरुआत है। इजराइल और अमेरिका के बीच रिश्ता यूं ही बना रहेगा।

अमेरिका को महान बनाऊंगाः ट्रंप

नई दिल्ली। राष्ट्रपति का चुनाव जीतने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका को महान बनाने का संकल्प दोहराया। गौरतलब है कि ट्रंप की पार्टी ने मेक अमेरिका ग्रेट अगेन यानी एमएजीओ के नारे पर ही चुनाव लड़ा था। बहुमत हासिल करने के बाद ट्रंप ने कहा- एक बार फिर से अमेरिका को महान बनाऊंगा। भगवान ने मेरी जान इसी दिन के लिए बचाई थी। गौरतलब है कि ट्रंप पर 13 जुलाई को पेन्सिलवेनिया में हमला हुआ था। इसमें एक गोली उनके कान को छूकर निकल गई थी। हमले में उनकी जान बाल बाल बची थी।

चुनाव जीतने के बाद ट्रंप ने कहा- हमने वो कर दिखाया जो लोगों को असंभव लग रहा था। यह अमेरिका के इतिहास की सबसे शानदार जीत है। मैं देश की सभी समस्याओं को दूर करूंगा, अमेरिकी लोगों के परिवार और उनके भविष्य के लिए लड़ूंगा। अगले चार साल अमेरिका के लिए अहम हैं। ट्रंप ने इलॉन मस्क की तारीफ करते हुए कहा- इलॉन एक स्टार हैं। चुनाव प्रचार में उन्होंने रॉकेट की तरह उड़ान भरी है।

अमेरिकी संसद में भी ट्रंप की पार्टी को बहुमत

नई दिल्ली। राष्ट्रपति का चुनाव जीतने के साथ ही डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी ने संसद के दोनों सदनों में भी बहुमत हासिल कर लिया है। राष्ट्रपति चुनाव के साथ ही अमेरिका के निचल सदन हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव और उच्च सदन सीनेट के लिए मतदान हुआ था। सीनेट अमेरिकी कांग्रेस का ऊपरी सदन है लेकिन वह दुनिया के दूसरे देशों के ऊपरी संसद से उलट सबसे शक्तिशाली सदन है। अमेरिका के 50 राज्यों में हर राज्य से दो दो प्रतिनिधि सीनेट के लिए चुने जाते हैं।

सीनेट की एक तिहाई सीटों के लिए हर दो साल पर चुनाव होते हैं। इस बार राष्ट्रपति चुनाव के साथ इसकी 34 सीटों पर चुनाव हुए। ताजा नतीजों के साथ रिपब्लिकन पार्टी ने सीनेट में 52 सीटें हासिल कर ली हैं, जो बहुमत से एक सीट ज्यादा है। इससे पहले उसके पास 49 सीटें थीं। सीनेट में बहुमत से ट्रंप को अपनी नीतियां लागू कराना आसान होगा। सीनेट को महाभियोग और विदेशी समझौतों जैसे अहम मसलों को मंजूर या नामंजूर करने का अधिकार होता है।

इसी तरह ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी निचले सदन यानी हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव में भी बहुमत के करीब है। 435 सीटों वाले सदन में बहुमत के लिए 218 सीटें जरूरी होती हैं। देर शाम तक आए नतीजों के मुताबिक रिपब्लिकन पार्टी को 197 सीटें मिली हैं और डेमोक्रेटिक पार्टी 177 सीटें हासिल कर चुकी है।

अनुच्छेद 370 बहाली का प्रस्ताव पास

जम्मू कश्मीर विधानसभा में उप मुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने विशेष दर्जे को बहाल करने के लिए पस्ताव पेश किया।

श्रीनगर ■

एक आश्चर्यजनक घटनाक्रम में जम्मू कश्मीर विधानसभा में अनुच्छेद 370 यानी जम्मू कश्मीर का विशेष राज्य का दर्जा बहाल करने का प्रस्ताव पास हो गया है। भाजपा विधायकों ने इसका भारी विरोध किया और प्रस्ताव की कॉपी फाड़ी। उन्होंने सदन के वेल में जाकर हंगामा किया। भाजपा का आरोप था कि स्पीकर ने मंत्रियों की बैठक बुलाई और खुद ही प्रस्ताव का मसौदा तैयार किया। इसके बाद विधायकों ने बेंच पर चढ़कर हंगामा किया। हंगामे के चलते सदन की कार्यवाही गुरुवार तक के लिए स्थगित कर दी गई।

दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी के नए बने प्रदेश अध्यक्ष अध्यक्ष सत शर्मा की अगुआई में पार्टी कार्यकर्ताओं ने पार्टी कार्यालय में इकट्ठा होकर जम्मू कश्मीर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उप मुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी का पुतला भी जलाया। भाजपा ने आरोप लगाया कि नेशनल कॉन्फ्रेंस जम्मू कश्मीर के लोगों को गुमराह कर रही है और कहा कि कोई भी विधानसभा अनुच्छेद 370 और 35ए को वापस नहीं ला सकती।

गौरतलब है कि विधानसभा सत्र के पहले दिन जब पीडीपी की ओर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के विरोध में प्रस्ताव पेश किया गया तब नेशनल कॉन्फ्रेंस ने इसका समर्थन नहीं किया था, बल्कि इसका मजाक उड़ाया था।

महाराष्ट्र में राहुल का चुनाव अभियान शुरू

नागपुर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने महाराष्ट्र में चुनाव अभियान शुरू किया। बुधवार, छह नवंबर को उन्होंने नागपुर में संविधान सम्मान के एक कार्यक्रम को संबोधित किया और कहा कि देश में जाति गणना होगी। राहुल ने कहा- देश में जाति जनगणना होगी और इससे दलितों, ओबीसी और आदिवासियों के साथ हो रहे अन्याय का पता चलेगा। राहुल गांधी ने आरक्षण की 50 फीसदी की सीमा को भी बढ़ाने का वादा किया।

महा विकास अघाड़ी की चुनावी रैली में राहुल ने जाति गणना का महत्व बताते हुए कहा- जाति जनगणना से सब कुछ स्पष्ट हो जाएगा। सभी को पता चल जाएगा कि उनके पास कितनी शक्ति है और हमारी भूमिका क्या है। जाति जनगणना विकास का प्रतिमान है।

हम उस लोकलुभावनवाद के दौर में हैं जहां सबकुछ भावनाओं से हैं।नस्ल, धर्म और चेहरों से बनती-भडकती वे भावनाएं जो अंतिम क्षण तक मूड बदलती रहती है।अब पुरानी धारणाएं और गणित सही नहीं बैठतीं। एक अश्वेत पुरूष ठीक उसी तरह ट्रंप और रिपब्लिकन पार्टी को वोट दे रहा है, जैसे एक दलित भाजपा और मोदी को वोट देता है।

अ्रति व्यास

ट्रंप के हाथों में थी जनता की नब्ज!

मुकाबला नजदीकी और कड़ा था। सभी बता रहे थे, मान रहे थे। मगर नतीजे ऐसे नहीं है। डोनाल्ड जे. ट्रंप कीन केवल रोमांचक जीत है बल्कि दो टूक बहुमत वाली है। वे संसद, सीनेट के बहुमत सेअमेरिका के 47वें राष्ट्रपति बन रहे है।

जाहिर चुनाव नतीजे कई लोगों को धक्का पहुंचाने और हैरान करने वाले है। असल में ऐसा है नहीं। इस चुनाव में ट्रम्प पिटे हुए मोहरे थे, बेचारे थे। वे मुकदमों से घिरे हुए थे, कई प्रकरणों में दोषसिद्ध घोषित किये जा चुके थे, उनके आलोचक उनकी अनवरत निंदा कर रहे थे, प्रबुद्धजन उनका मखोल बना रहे थे और 6 जनवरी की उनकी कारगुजारियों के कारण वे डरावने लग रहे थे। कुल मिलकर, मुकाबले की शुरूआत में उनकी छवि विलेन की थी।

वहीं कमला हैरेस, जो बाइडन के मैदान छोड़ने के बाद जब मुकाबले में उतरीं तो प्रचार, चर्चाओं, शोर-शराबे और हंगामे के केन्द्र में थी। ट्रंप और बाइडन दोनों की तुलना में युवा और जोशीली कमला हैरेस का अपना कथानक था, जो आपके और मेरे जैसे सहज विश्वासी लोगों की आँखों में आंसू लाने और उन्हें गोरवान्वित महसूस करवाने वाला था। वे मानों आधुनिक सीता थीं, जो रावण का मुकाबला करने के लिए तैयार थीं और पूरी मजबूती से खड़ी थीं। उनमें वह सब कुछ था जो उन्हें अख़बारों के पहले पन्ने पर जगह दे सकता था। जनमत संग्रह भी इसी धारा में बह रहे थे। उनका ध्यान प्रचार-प्रसार की ओर था। उन्हें मूड में बदलाव महसूस हो रहा था। वे दुबारा उत्साह-उमंग को बढ़ते देख रहे थे, खासतोर पर डेमोक्रेटस में।

मगर सबने अंडरकरेंट को अनदेखा किया। सभी जनमत संग्रहों में हैरेस को आगे बताया जाने लगा और बाकि लोग भी उसे सही मानने लगे।

चुनावी सर्वेक्षणों और ओपिनियन पोलों में यही कमी है। वे किसी भी राज्य में जिस दल का प्रचार-प्रसार अधिक देखते है, उसके पक्ष में जनता है, ऐसा मान लेते हैं और फिर अपनी इस मान्यता को अन्य राज्यों पर भी लागू कर देते हैं। हमने भारत में देखा कि सर्वेक्षणकर्ता और एक्जिट पोल करने वाले इस हद तक गलत साबित हुए कि वे उपहास का पात्र बन गए। यही अमेरिका में दिखा हैं। सभी स्थानों पर जनता की नब्ज पकड़ने की बजाए, उन्होंने सारे देश को एक ही रंग में रंग दिया - और अमेरिका में वह रंग कमला हैरिस का था। चुनाव की तारीख नजदीक आते-आते चुनावी सर्वेक्षण कमला हैरेस को निर्णायक रूप से आगे बताने लगे, जबकि ट्रंप को कुंठाग्रस्त और थका हुआ देखा जा रहा था। ऐसे दावे किए जा रहे थे कि हैरेस के साथ चुनावी बहसों में ट्रंप घबराए हुए और व्यग्र हैं। **-शेष हाल-फिलहाल पेज पर**

लोकायुक्त पुलिस ने सिद्धारमैया से पूछताछ की

बेंगलुरू। मैसूरू शहरी विकास प्राधिकरण, मुडा की जमीन आवंटन में हुई कथित गड़बड़ियों के मामले में लोकायुक्त पुलिस ने बुधवार, छह नवंबर को मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से पूछताछ की। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, सिद्धारमैया एक समन के जवाब में लोकायुक्त पुलिस के सामने पेश हुए और लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक टीजे उदेश के नेतृत्व वाली टीम के सवालों के जवाब दिए। लोकायुक्त के एक अधिकारी ने बताया कि पूछताछ करीब दो घंटे तक चली। लोकायुक्त पुलिस की पूछताछ के बाद मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा- मुझसे पूछताछ की गई। मैंने सब सच बताया है।

घमूरी हाई स्कूल के प्राचार्य संतोष गोयल ने किया लाखों रुपए का गवन

पुष्पांजलि टुडे
रिपोर्टर मौ डॉ बेताल सिंह गौड़

शिक्षक की हमारे देश में समाज में

जहां तक कि हमारी जिन्दगी में भी बड़ी भूमिका होती है शिक्षक के हाथ में ही होता है हमारे और आपके बच्चों का भविष्य मगर वहीं शिक्षक हमारे बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ करने लगे तो क्या होगा हमारे बच्चों को पडाने की वजह उनके लिए आने वाली सामग्री को बेचकर खाने लगे तो सोचो उसे स्कूल का एवं स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों के भविष्य का क्या होगा आज की खबर ऐसे ही एक मास्टर साहब के बारे में है जो की स्कूल का सारा सामान ही बेचकर खा गए एवं बच्चों की शासकीय फीस भी मास्टर साहब ने शासकीय खाते में जमा नहीं की आपको बता दें कि घमूरी हाई स्कूल में प्रभारी प्राचार संतोष गोयल के बारे में ग्रामीण के लोगों से कई दिन सूचना प्राप्त हो रही थी की यहां के प्रचार संतोष गोयल ना तो स्कूल में बच्चे को पढ़ाते लिखाते हैं और ना ही स्कूल में बच्चे आते हैं मास्टर साहब स्कूल के समान को बेचने के काम में लगे रहते हैं ग्रामीण के लोगों की सूचना पर पुष्पांजलि टुडे के सहयोगी रिपोर्टर डॉ.बेताल सिंह गौड खुद स्कूल की जांच पड़ताल करने पहुंचे गए और संतोष गोयल से पूछा कि जिम का सामान शासन से आया था वह कहां गया तो मास्टर साहब इधर-उधर चलने लगे और कहने लगे हम कोई जवाब देना उचित नहीं समझते हम तुमको कोई जवाब नहीं देंगे जाइए आप यहां से और हमारे रिपोर्टर से अभद्र भाषा का प्रयोग करने लगे न्यूज़ इंडिया के रिपोर्टर ने दोबारा फिर मास्टर साहब से सवाल किया कि खेलने के लिए सामग्री हर साल 25000 की आती है वह कहां है, न्यूज़ इंडिया की ओर से तीसरा सवाल किया गया हमारे रिपोर्टर के द्वारा मास्टर साहब से की हर साल में जो फीस बच्चों से ली जाती है वह अकाउंट में कहां है, एवं शाला में आप 8 साल से प्रभारी हैं साला में टेबल पंखा अलमारी यह सारा सामान कहां है तो मास्टर साहब आग बबूला होने लगे और कहने

लगे हम किसी पत्रकार को नहीं जानते और हम तुम्हें जवाब नहीं देंगे हमसे अकेले में मिलना पर रिपोर्टर अब्दुल हमीद ने कहा की आप बच्चों के भविष्य से खेल रहे हैं एवं शासकीय संपत्ति को बेच बेचकर खा रहे हैं जो कि गलत है तब प्रचार संतोष गोयल प्रभारी घमूरी के द्वारा कहा गया की जो करना है वह कर लो हम काम ऐसे ही करते हैं हमारे बारे में जानकारी ले लेना, तब पुष्पांजलि टुडे रिपोर्टर बेताल सिंह गौड़ ने जिला शिक्षा अधिकारी भिण्ड डी ओ मित्तल साहब से बात की और मास्टर साहब की अभद्रता भाषा और स्कूल की बेची हुई सामग्री के बारे में जानकारी दी जिस पर जिला शिक्षा अधिकारी ने भी मास्टर साहब की फोन पर क्लास लेली परन्तु स्कूल की सामग्री बेचने एवं बच्चों की फीस को खाने वाले भ्रष्ट मास्टर संतोष गोयल साहब के बर्ताव में कोई भी फर्क नहीं आया सवाल यह उठता है जहां सरकार बच्चों के भविष्य के लिए लाखों रुपए खर्च करती हैं वहीं दूसरी ओर संतोष गोयल जैसे भ्रष्ट मास्टर जिम का समान भी नहीं छोड़ते एवं खेलकूद की सामग्री भी खा जाते हैं वह बच्चों की फीस तक जमा नहीं करते शासकीय खाते में और उनके ऊपर कोई कार्रवाई नहीं होती किसका का संरक्षण प्राप्त रहता है इन भ्रष्ट मास्टरों को इसकी पड़ताल कर पुष्पांजलि टुडे की टीम बहुत जल्द खुलासा करेगी

पाण्डेय बने श्री परशुराम सर्व ब्राह्मण संघ के प्रदेश मीडिया प्रभारी

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । सामाजिक कुरीतियों को मिटाने का संकल्प लेकर प्रदेशभर में कार्य कर रहे श्री परशुराम सर्व ब्राह्मण संघ के वरिष्ठ नेतृत्व द्वारा कुछ माह पूर्व चित्रकूट में राष्ट्रीय कार्यसमिति की समीक्षा बैठक कर निर्णय लिया था कि संगठन के विस्तार के लिए कार्यकारिणी में बदलाव लिया जाना उचित रहेगा, जिसमें दो बर्ष के लिए पदाधिकारियों का चयन किया जायेगा और दो बर्ष कार्यकाल पूर्ण होने पर पुनः समीक्षा कर बदलाव किया जायेगा जिससे संगठन को नई दिशा मिल सके और जमीनी कार्य करने वाले पदाधिकारियों को भी सामाजिक क्षेत्र में आगे बड़ने का मौका मिल सके। उत्कृष्ट कार्य करने वाले पदाधिकारियों को संगठन द्वारा सम्मानित किये जाने का भी निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया, जिसके चलते राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रदेश प्रभारी श्याम सुंदर शर्मा के अनुमोदन पर नियुक्ति समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरुण मिश्रा और प्रदेश अध्यक्ष इंजी. विजय शर्मा की सहमती से राष्ट्रीय अध्यक्ष नागेंद्र दुबे ने गिरिराज पाण्डेय के पूर्व कार्यकाल को देखते हुए प्रदेश मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी।गिरिराज पाण्डेय को प्रदेश मीडिया प्रभारी बनाये जाने पर श्री पाण्डेय ने वरिष्ठ नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा कि संघठन नेतृत्व ने उन पर पुनः जो भरोसा जताया है उसके लिए मै वरिष्ठजनो का आभार व्यक्त करता हूँ और भरोसा दिलाता हूँ कि मै संघठन के लिए पूरी ईमानदारी और निष्ठा से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करूँगा। श्री पाण्डेय को नियुक्ति मिलने पर उनके सैकड़ों समर्थकों और संघठन के पदाधिकारियों ने उन्हें बधाइयाँ प्रेषित की जिनमें प्रदेश अध्यक्ष इंजी विजय शर्मा, सीताराम नारोलिया, सुरेश दांतरे, अबधेश शर्मा, दीपक शर्मा, रामशंकर शर्मा, सत्तू पाठक, रमेश कटारे, राजीव बरुआ, रमेश पाठक, प्रमोद दुबे, दीपक चौधरी, राधेशयम शर्मा, परमानंद तिवारी, संतोष दुबे, शिवकुमार शर्मा, बासुदेव राजोरिया, श्रीकृष्ण कटारे, सूरज बरुआ, कृष्णा पुरोहित, हरिओम कटारे, सुनील कांकर आदि लोगों ने बधाइयाँ दी।

फरदुआ में फलदान कार्यक्रम के दौरान गाली गलौच व फायरिंग के मामले में मामला दर्ज

दबोह। थाना दबोह क्षेत्र के ग्राम फरदुआ में फलदान कार्यक्रम के दौरान गाली गलौच व फायरिंग के मामले में पुलिस ने विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है।दरअसल फरियादी सुभाष दोहरे पिता रामेश्वर दोहरे उम्र 38 साल निवासी ग्राम फरदुआ ने थाना उपस्थित आकर जुवानी रिपोर्ट की मेरे भतीजे की शादी का लगुन फलदान का कार्यक्रम चल रहा था कार्यक्रम में मेरे रिश्तेदार व समाज के लोग इकट्ठे हुए थे आज दिनाक 07.11.24 के सुबह करीबन 05 बजे की बात है गाँव का पिन्टू बाजपेई आया और मुझे मां बहन की अश्लील गंदी गंदी गालियां देते हुआ बोला कि सालों चमरा बाले मै तुम्हारे यहां कोई कार्यक्रम नहीं होने दूंगा तो मैने और पड़ोसी रविन्द दोहरे ने पिन्टू को समझाया तो पिन्टू बाजपेई ने कमर में से एक कट्टा निकाला और फायर करके भाग गया।फरियादी की शिकायत पर थाना दबोह पुलिस ने आरोपी पर धारा 296,115(2),118(1),351(3),3(5)के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

संत आशारामजी आश्रम ट्रस्ट द्वारा दीपावली पर्व के निमित्त वृद्धाश्रम में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ

दैनिक पुष्पांजली टुडे

बेंगलुरु- सिलिकान सिटी- बेंगलुरु के बनशंकरी में स्थित संत आशारामजी आश्रम ट्रस्ट, बेंगलुरु द्वारा श्री साईं प्रशांति ओल्ड ऐज होम, केम्पनाहल्ली, बेंगलुरु में दीपावली पर्व के निमित्त वृद्धजनों के लिए दीपावली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आश्रम ट्रस्ट द्वारा अवगत कराया गया की उनके पूज्य गुरुदेव संत श्री आशारामजी बापू से मिलें संस्कारों से प्रेरित होकर उनके साधक, समाजरूपी देवता की सेवा का एक भी मौका चूकते नहीं हैं। जहां लोग अपने घरों में दीपावली मनाते है, वहीं प्रतिवर्ष आशारामजी बापू के साधक जरूरतमंद क्षेत्रों में जाकर, उनकी दीपावली भी अच्छी बनें इसलिए आवश्यक सामग्री के वितरण कार्यक्रम करते हैं। बेंगलुरु आश्रम संचालक- दीपक नायक ने बताया की- पूज्य बापूजी अपने

सत्संग में बताते है- परोपकाराय फलन्ति वृक्षाः, परोपकाराय वहन्ति नद्यः। परोपकाराय दुहन्ति गावः, परोपकारार्थमिदं शरीरम् ॥ परोपकार के लिए वृक्ष फल देते हैं, नदीयाँ परोपकार के लिए ही बहती हैं और गाय परोपकार के लिए दूध देती हैं, (अर्थात) यह शरीर भी परोपकार के लिए ही है। पिछले 50+ सालों से अनवरत आज भी उनकी यह संत आसारामजी आश्रम ट्रस्ट देश-समाज और संस्कृति के उत्थान का कार्य कर रही है। भारत की राष्ट्रीय एकता-अखंडता और विश्व शांति के लिए संत आशारामजी बापू ने राष्ट्र के कल्याणार्थ अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। उन्हीं की प्रेरणा से हर साल दीपावली पर देशभर में जगह-जगह पर अनगिनत सेवाकार्यों की फुलझड़ियाँ लगाई जाती हैं। भगवन्नाम संकीर्तन यात्राओं के साथ वृद्धाश्रमों, अनाथालयों व अस्पतालों में निःशुल्क औषधि, फल व मिठाई वितरित की जाती है। हजारों जरूरतमंद के लिए विशाल भण्डारे का आयोजन किया जाता है। जिसमें मिठाई, कपड़े, खजूर, कम्बल, अनाज, चप्पल आदि सामग्री के साथ दक्षिणा इत्यादि दी जाती हैं। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी संत आशारामजी बापू आश्रम ट्रस्ट, बेंगलुरु द्वारा दीपावली निमित्त श्री साईं प्रशांति ओल्ड ऐज होम, केम्पनाहल्ली, बेंगलुरु में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। जिनमें वहां के वृद्धजनों के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम किये गये, उन्हें ट्रस्ट के स्वयंसेवकों द्वारा जीवनोपयोगी कुंजियाँ भी बताई गई, कार्यक्रम के अंत में वृद्धजनों में भोजन- प्रसादी तथा उनकी संस्था (वृद्धाश्रम) में ट्रस्ट की तरड़ से राशनकिट, जीवनोपयोगी सामग्री आदि का वितरण किया गया।

गौरी सरोवर के जलकुंभी को निकालने का चला स्वच्छता अभियान

पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । गुरुवार की सुबह नगर पालिका परिषद के सफाई कर्मचारियों एवं जेसीबी द्वारा शहर के बीचोंबीच प्राचीन गौरी सरोवर के जलकुंभी निकालने का स्वच्छता अभियान चलाया गया। सफाई अभियान में प्रमुख रूप से नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि एवं मप्र सफाई कर्मचारी आयोग के पूर्व सदस्य सुनील बाल्मीकि,नगर पालिका कर्मचारी महेश,दरोगा सुरेश,रमेश,मनोज,नरेश आदि ने भाग लिया । सफाई अभियान में सभी उपस्थित लोगों ने शपथ लेते हुए कहा कि हम सभी लोग स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत के तहत हमारा शहर भिंड स्वच्छ स्वस्थ रहे,इसके तहत निरंतर हमारा अभियान जारी रहेगा।नपा अध्यक्ष के प्रतिनिधि सुनील वाल्मीकि ने कहा कि अभी शहर के पार्कों को साफ और स्वच्छ बना रखने का अभियान जारी किया जाएगा।

बाल विवाह रोकने हेतु कंट्रोल रूम स्थापित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग भिण्ड ने देवउठनी एकादशी 11 एवं 12 नवम्बर 2024 एवं उसके पश्चात विवाह मुहूर्तों के अवसरों के दौरान होने वाले विवाहों में बाल विवाह रोकथाम के लिए खण्ड स्तर पर अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) की अध्यक्षता में समितियों का गठन किया गया है।इसके अतिरिक्त बाल विवाह रोकने हेतु जिला स्तर पर कन्ट्रोल रूम की स्थापना की गयी है जिसमें जितेन्द्र कुमार शर्मा (ऑकडा विश्लेषक) मो0 नं0 8319520549 एवं आनन्द मिश्रा (लेखापाल) मो0 नं0 9977516253 है। यदि किसी व्यक्ति को बाल विवाह होने संबंधी स्पष्ट जानकारी प्राप्त है, तो उक्त नम्बरों पर फोन अथवा व्हॉट्सअप कर या संबंधित अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) अथवा परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास को अवगत कराया जा सकता है।

ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर आज विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित करेंगे

महेंद्र शर्मा उप संपादक पुष्पांजलि टुडे

ग्वालियर। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर शुक्रवार 8 नवम्बर 2024 को सुबह 11 बजे रेसकोर्स रोड ग्वालियर स्थित अपने बी-38 सरकारी कार्यालय पर राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को हित लाभ के प्रमाण पत्रों का वितरण करेंगे। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारियों के अलावा क्षेत्रीय पार्षद गण तथा वरिष्ठ भाजपा नेता भी उनके साथ उपस्थित रहेंगे।

मतदाता बनकर लोकतंत्र को करें मजबूतः प्रो. शास्त्री

अनुज सिंह ठाकुर ब्यूरो रिपोर्ट पुष्पांजलि टुडे ललितपुर

ललितपुर। नेहरू महाविद्यालय ललितपुर में विधानसभा मतदाता पुनरीक्षण सूची एवं मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र-छात्राओं में जागरूकता अभियान चलाया गया। छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओमप्रकाश शास्त्री ने कहा कि जो भी छात्र एवं छात्राएं 1 जनवरी 2025 को 18 वर्ष के हो रहे हैं, वह मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाने के लिए फॉर्म 6 को भरकर जमा कर दें। उन्होंने कहा कि मतदाता लोकतंत्र का आधार स्तंभ है, सभी को मतदाता बनकर मतदान अवश्य करना चाहिए ।महाविद्यालय के स्वीप नोडल अधिकारी डॉ सुधाकर उपाध्याय ने कहा कि मतदाता बनकर छात्र-छात्राएं अपने महत्वपूर्ण अधिकारों का प्रयोग कर सकते हैं सभी को मतदाता बनकर लोकतंत्र को मजबूत बनाना है। महाविद्यालय में शीघ्र ही मतदाता क्लब का गठन किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन हिंदी विभाग के सहायक आचार्य श्री जितेंद्र कुमार ने किया एवं समाजशास्त्र विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती अनीता ने आभार व्यक्त किया। इस मौके पर विवेक पाराशर, ध्रुव किलेदार, फहीम बख्श, अंकित चोबे, जयंत चोबे, श्रीपत सिंह, भरत सिंह, अनिल कुमार आदि उपस्थित रहे।

जनपद सदस्य राजू पटेल जी के नेतृत्व में ग्राम गाता में हुआ निशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन

दैनिक पुष्पांजलि टुडे

मेहगांव विधानसभा के ग्राम गाता में जनपद सदस्य राजू पटेल जी के पुत्र शैलेंद्र गुर्जर जी एवं हेमंत गुर्जर पार्षद जी के नेतृत्व में शासकीय प्राथमिक विद्यालय गाता में निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर कालरा हॉस्पिटल के द्वारा लगाया गया इसमें सबसे पहले जनपद सदस्य द्वारा फीता काटकर नेत्र शिविर का शुभारंभ किया उसके बाद जनपद सदस्य ने सभी डॉक्टरों की टीम का फूल माला डालकर स्वागत किया गया उसके बाद लोगों की आंखों की जांच कर मोतियाबिंद के लिए मरीज को ग्वालियर के लिए चिन्हित कर भेजा गया सभी मरीजों का ऑपरेशन आज रात कालरा हॉस्पिटल में निशुल्क किया जाएगा इस बीच डॉ अजय शर्मा, डॉ बी एस गौड , डॉ कुश शर्मा,रामू गुर्जर जी , जितेंद्र गुर्जर जी ,जयवीर गुर्जर, कतरोल जी, मानिक सेठ आदि कई समाजसेवी उपस्थित रहे

न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह अंतर्गत चित्रकला प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मण्डलेश्वर के मार्गदर्शन में 07 नवंबर को शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भीकनगांव में न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह के अंतर्गत विविध कार्यक्रमों के आयोजन किया जा रहा है। अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति भीकनगांव एवं जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश श्री के. के. निनामा न्यायाधीश द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर बालिकाओं के लिए चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।इस अवसर पर प्राचार्य श्रीमति सुनिता सिंघल व जया बुन्देल, पैरालीगल वालेन्टियर्स सुश्री रितु चौहान, श्रीमती मोनू निम्बालकर, सुश्री अंकिता भालसे, न्यायिक कर्मचारी श्री हिरसिंह मोरे, नायब नाजिर एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 24 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में राजधानी रायपुर में राज्योत्सव का आयोजन किया जा रहा है।

नवा रायपुर, अटल नगर परिक्षेत्र में उच्च शिक्षा विभाग द्वारा लगाए गये प्रदर्शनी डोम में शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर का भी स्टॉल लगाया गया है। राज्योत्सव के दूसरे दिन मंगलवार को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बस्तर विश्वविद्यालय के प्रदर्शनी स्टॉल का अवलोकन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने विवि की एकेडमिक गतिविधियों से संबंधी फ्लेक्स और कार्तीपुर में प्रस्तावित विवि के नए भवन के बिल्डिंग मॉडल की सराहना की। विवि के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सजीवन कुमार ने इस दौरान जनजातीय विद्यार्थियों के लिए बहुविषयी शिक्षा, शोध की स्थिति, विकास के आगामी योजनाओं और क्रियान्वयन प्रक्रिया से मुख्यमंत्री श्री साय को अवगत कराया। मुख्यमंत्री के अवलोकन के दौरान उच्च शिक्षा विभाग के सचिव आर. प्रसन्ना सहित अन्य जनप्रतिनिधि व अधिकारी मौजूद थे। विवि की ओर से सह- प्राध्यापक डॉ. विनोद कुमार सोनी और अतिथि व्याख्याता राहुल सिंह, पूजा ठाकुर व श्रद्धा डोंगरे ने राज्योत्सव में अवलोकन के दौरान विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। बस्तर विवि के स्टॉल अवलोकन के लिए कुलपति प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव सहित विवि परिवार ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया है।

14 दिसंबर को नेशनल लोक अदालत का आयोजन

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

न्यायालयों में लंबित प्री-लिटिगेशन प्रकरणों के निराकरण के लिए 14 दिसंबर को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। नेशनल लोक अदालत में चिन्हित किये गए प्रकरणों की प्रकृति के अनुसार न्यायालयों में लंबित प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का अधिक से अधिक संख्या में निराकरण करने के दिशा-निर्देश प्राप्त हुए हैं।

नपाध्यक्ष के मानसिक व शारीरिक परीक्षण कराने की उठायी मांग

पार्षदों ने नागरिक विकास मोर्चा व पाल समाज अध्यक्ष के साथ डीएम को सौंपा ज्ञापन

अनुज सिंह ठाकुर ब्यूरो रिपोर्ट पुष्पांजलि टुडे ललितपुर

ललितपुर। नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष पर गंभीर आरोप लगाते हुये उनके मानसिक एवं स्वास्थ्य परीक्षण कराये जाने की मांग उठाते हुये वार्ड संख्या 15 के पार्षद एड. मनमोहन चौबे ने एक पत्र जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी को सौंपा है। पत्र में पार्षद ने बताया कि नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुयीं सरला जैन आमतौर पर नगर पालिका परिषद के भवन में नहीं आती हैं और न ही किसी भी विकास कार्य में उनके द्वारा कोई रूचि ली जाती है। बताया कि नगर पालिका परिषद द्वारा कराये जाने वाले कार्यों को उनके स्थान पर उनके पति मुन्नालाल जैन व अन्य परिजन मनमाने तरीके से सरकारी कार्यों में हस्ताक्षेप करते हैं। बताया कि ललितपुर में होने वाले समस्त सामाजिक कार्यों व अन्य आयोजनों में उनके पति मुन्नालाल व परिजन ही शामिल होते हैं। पार्षद ने अपने सूत्र का हवाला देते हुये बताया कि वर्तमान नपाध्यक्ष किसी गंभीर बीमारी से ग्रसित हैं, जिससे वह किसी भी प्रकार से अध्यक्ष पद का भार संभालने में सक्षम नहीं हैं और न ही किसी प्रकार का कोई निर्णय लेने में सक्षम हैं। ऐसी स्थिति में पार्षद मनमोहन चौबे एड. ने अपने साथ नागरिक विकास मोर्चा अध्यक्ष हरीबाबू शर्मा, पार्षद धर्मवीर कुशवाहा, पाल समाज अध्यक्ष करन पाल के साथ जिलाधिकारी से चिकित्सकों का एक पैनल बनाकर वर्तमान नपाध्यक्ष का मानसिक व शारीरिक चिकित्सीय परीक्षण कराये जाने की मांग उठायी है, ताकि स्थिति स्पष्ट हो सके कि बाकई में उनके द्वारा ही नगर पालिका के विकास कार्यों का संचालन किया जा रहा है या फिर उनके पति या परिजनों द्वारा। उन्होंने डीएम से प्रकरण की जांच करायी जाकर कार्यवाही किये जाने की मांग उठायी है।

एलयूसीसी के सीएमडी समीर अग्रवाल समेत दर्जन भर पर एफआईआर भोपाल में तिलकराम स्वीट्स एण्ट रेस्टोरेण्ट के अलावा मंहगी गाडियों पर खर्च किया रुपया

अनुज सिंह ठाकुर ब्यूरो रिपोर्ट पुष्पांजलि टुडे ललितपुर

कम समय में रकम दोगुनी होने का प्रलोभन देकर की धोखाधड़ीललितपुर। द लोनी अर्बन मल्टी स्टेट क्रेडिट एण्ड थ्रिफ्ट को-ऑपरेटिव सोसायटी को पंजीकृत सोसायटी बताकर कम समय में दोगुना रुपया करने का प्रलोभन देकर लाखों रुपये की धनराशि हड़प लेने का आरोप लगाते हुये एलयूसीसी कम्पनी के सीएमडी समीर अग्रवाल समेत दर्जन भर लोगों पर एक और एफआईआर दर्ज की गयी है। प्रकरण में रवि तिवारी, राहुल तिवारी, शैली बजाज, आलोक जैन के अलावा एक दर्जन लोगों के खिलाफ दर्ज की गयी एफआईआर में कई गंभीर आरोप लगाये गये हैं।

शहर क्षेत्र के मोहल्ला बड़ापुरा निवासी महेश प्रसाद राठौर पुत्र स्व.कपूरचंद्र ने कोतवाली पुलिस को दिये शिकायती पत्र में बताया कि करीब एक वर्ष पहले आजादपुरा निवासी सतीशचंद्र जैन पुत्र दमरूलाल देवरान वाले उसके पास रवि तिवारी, आलोक जैन को लेकर आये हुये थे। सतीशचंद्र जैन ने उसकी पत्नी ऊषा राठौर को एलयूसीसी एक पंजीकृत सोसायटी बताते हुये कम समय में रुपया दोगुना होने और सुरक्षित तरीके से समय से वापस होने की बात कही। इस पर पीड़ित द्वारा तहकीकात करके रुपया निवेश करने की बात कही।

ऐसे फंसाया निवेशक को अपने जाल में-महेश प्रसाद राठौर ने बताया कि पन्द्रह दिन बाद सतीशचंद्र जैन सतीश चन्द्र जैन अपने साथ एलयूसीसी के अन्य पदाधिकारी रवि तिवारी, आलोक जैन, सुरेन्द्र कुमार सिंह, शैली बजाज आदि के साथ आया और कहा एलयूसीसी के सीएमडी समीर अग्रवाल, फण्ड मैनेजर आरके शेट्टी कोर कमेटी के सदस्य विनोद तिवारी, राहुल तिवारी पुत्रगण तिलकराम निवासी ललितपुर शवाब रिजवी निवासी उरई, हरदेव पटेल पुत्र जालम सिंह, महेश प्रसाद रजक पुत्र प्रागीलाल आदि हैं इस

सोसायटी में निवेश किये गये धन को तेल कारोबार दुबई, गोल्ड माइन्स एवं रियल स्टेट तथा कोल कारोबार में लगाकर सुरक्षित करते हैं। इन लोगों ने अपने मोबाइल्स में विभिन्न शहर में ओजित किये गये सेमिनार की विडियो क्लिप दिखाकर मेरी पत्नी को धन निवेश करने के लिये मजबूर कर दिया।

तीन आर.डी. में कराया नौ लाख रुपये निवेश-उक्त लोगों के प्रलोभन में आकर पत्नी ऊषा राठौर ने अपनी आरडी क्रमांक 09एलबीसीई80सीसी में 3.54 लाख, दूसरी आरडी क्रमांक 10एल8ईडी0एफ240 में 4.02 लाख रुपये एवं तीसरी आर.डी. में 2.40 लाख रुपये सतीशचंद्र जैन देवरान वालों ने ले लिये और पासबुक नहीं दी। पासबुक की जानकारी करने पर पाया कि आर.डी. में सी.पी. नाम सरिता जैन के नाम से खोली गयी है।

निवेश किये रुपये वापस मांगने पर मिली गालियां-आर.डी. पर गलत नाम देखकर जब महेश प्रसाद राठौर ने सतीशचंद्र जैन से रुपये वापस मांगे तो गालियां देते हुये रुपये वापस करने से इंकार कर दिया गया। इतना ही नहीं आरोप तो यह भी है कि उसे जान से मारने की धमकी दी गयी।

इन लोगों पर लगाये गंभीर आरोप-महेश प्रसाद राठौर ने तहरीर के जरिए सीएमडी समीर अग्रवाल, आर.के.शेट्टी, रवि तिवारी, राहुल तिवारी, आलोक जैन, सुरेन्द्र कुमार सिंह, शैली बजाज, राहुल तिवारी, विनोद तिवारी व सतीशचंद्र जैन पर संगठित गिरोह बनाकर षडड़ंत्रपूर्वक धन अर्जित करने के लिए धोखाधड़ी व बेईमानी से एलयूसीसी का सृजन कर इसे आरबीआई से अधिकृत बताते हुये फर्जी कूटरचित पासबुक बनापकर रुपये हड़पने की घटना कारित की है और कई लोगों के करोड़ों रुपये हड़प कर चुके हैं।

हड़प की गयी रकम यहां की निवेश-शिकायतकर्ता महेश प्रसाद राठौर ने बताया कि उक्त लोगों ने निवेशकों से हड़प की धनराशि से भोपाल में बेशकीमती तिलकराम स्वीट्स एण्ड रेस्टोरेन्ट, ललितपुर के मोहल्ला आजादपुरा में 2 मकान व सरदारपुरा में मकान, मंहगी-मंहगी लग्जरी गाडिड़ां खरीदकर एसो आराम का जीवन यापन कर रहे हैं।

इन धाराओं में दर्ज हुआ मामला-संगठित गिरोह बनाकर लोगों के रुपये हड़पने वाले एलयूसीसी के सीएमडी समीर अग्रवाल, रवि तिवारी, राहुल तिवारी, सतीशचंद्र जैन, आलोक जैन, शैली बजाज, फण्ड मैनेजर आर.के.शेट्टी, कोर कमेटी सदस्य विनोद तिवारी, शवाब रिजवी, हरदेव पटेल, महेश प्रसाद रजक के खिलाफ पुलिस ने बीएनएस की धारा 111, 318, 338, 336 (3), 340 (2), 61 (2), 352, 351 (3) के तहत एफआईआर दर्ज की है।

संपादक की कलम से

वैश्विक स्तर पर सोने की कीमतों में रिकार्ड उछाल

भारत का सोना और चांदी का आयात मुख्य रूप से पांच देशों से होता है, जिसमें स्विट्जरलैंड सोने के आयात का प्राथमिक स्रोत है, जबकि इसके बाद दक्षिण अफ्रीका, संयुक्त अरब अमीरात, गिनी और बोलीविया हैं। 2023-24 में यूएई से भारत के सोने और चांदी के आयात में 210 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। दिलचस्प बात यह है कि भारत शायद दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है जहां निजी सोने की जमाखोरी का अधिकांश हिस्सा निम्न मध्यम आय वर्ग के पास है। चीन में, उच्च मध्यम आय वर्ग के पास देश की सोने की बचत का अधिकांश हिस्सा है।

यूरोप और एशिया में भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने और दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों द्वारा पहले से कहीं ज्यादा सोना खरीदने के कारण पिछले साल से सोने की कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है। आने वाले महीनों में सोने की कीमतों में उछाल का सिलसिला जारी रह सकता है, जब तक कि दुनिया में जल्द ही शांति और आर्थिक स्थिरता वापस नहीं आ जाती। हालांकि, निकट भविष्य में शांति और वित्तीय स्थिरता आने की संभावनाएं बहुत कम हैं क्योंकि ईरान ने इजरायल और हमास के उग्रवादियों के बीच युद्ध में दखल देते हुए इजरायल पर मिसाइलें फेंकी हैं और बाद में इजरायल ने भी चुनिंदा ईरानी सैन्य प्रतिष्ठानों पर जवाबी मिसाइल हमलों के साथ जवाब दिया है।

सालों पुराना हमास-इजरायल युद्ध के अब ईरान और पश्चिम एशिया के कुछ अन्य हिस्सों में फैलने का खतरा है। इसी तरह, दो साल पुराना रूस-यूक्रेन युद्ध एक बुरा मोड़ ले सकता है, क्योंकि उत्तर कोरिया रूस में सेना भेज रहा है, जिससे यूक्रेन पर दबाव बढ़ रहा है। पिछले हफ्ते, पेंटागन ने पुष्टि की कि लगभग 10,000 उत्तर कोरियाई सैनिकों को प्रशिक्षण के लिए रूस भेजा गया है और माना जा रहा है कि वे 'अगले कुछ हफ्तोंं में यूक्रेन के खिलाफ लड़ाई में शामिल हो जायेंगे।

कई क्षेत्रों में भू-राजनीतिक स्थिति गंभीर है। शायद यही कारण है कि अनेक देशों के केंद्रीय बैंक भारी मात्रा में सोना खरीद रहे हैं। 2024 की पहली छमाही के दौरान, केंद्रीय बैंकों ने रिकॉर्ड 483 टन सोना खरीदा, जो 2023 में 460 टन के पिछले रिकॉर्ड से पाँच प्रतिशत अधिक था। 2024 की पहली छमाही में तुर्की सोने का सबसे बड़ा खरीदार था, जिसने 45 टन सोना खरीदा। भारतीय रिजर्व बैंक 2024 में लगातार सोना खरीद रहा है, और सितंबर 2024 तक, इसने अपने घरेलू सोने के भंडार में 100 मीट्रिक टन से अधिक की वृद्धि की है।

पोलैंड का राष्ट्रीय बैंक भारत के साथ संयुक्त रूप से सबसे बड़ा स्वर्ण खरीदार बन गया है। चीन पिछले 18 महीनों से अपने स्वर्ण भंडार में लगातार वृद्धि कर रहा है। देश का केंद्रीय बैंक पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना अपनी परिसंपत्तियों में विविधता लाने, विदेशी मुद्राओं पर अपनी निर्भरता कम करने, मौद्रिक नीति में लचीलापन बढ़ाने, बढ़ती अर्थव्यवस्था का समर्थन करने और वित्तीय सुरक्षा बढ़ाने के लिए अपने स्वर्ण भंडार में वृद्धि कर रहा है। उभरते बाजार के सभी बैंक सोना खरीद रहे हैं। केंद्रीय बैंक डॉलर से अलग अपनी आरक्षित परिसंपत्तियों में विविधता लाने और अपने भंडार को मजबूत करने के लिए सोना खरीद रहे हैं। यह प्रवृत्ति डी-डॉलरीकरण के व्यापक विषय का हिस्सा है। संयोग से, चांदी की कीमतें भी इसी के साथ बढ़ रही हैं।

भारतीय अमीर मध्यम वर्ग द्वारा सोने की निरंतर घबराहट भरी खरीद के कारण, देश में पीली धातु की खुले बाजार की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। पिछले साल अक्टूबर के मध्य में, 22 कैरेट सोने की कीमतें 53,650 रुपये प्रति 10 ग्राम और 24 कैरेट सोने की कीमतें 58,530 रुपये प्रति 10 ग्राम थीं। कुछ ही महीनों में, इस साल 31 जनवरी को 24 कैरेट सोने की कीमत 63,970 रुपये प्रति 10 ग्राम, 22 कैरेट सोने की कीमत 58,650 रुपये प्रति 10 ग्राम थी। चांदी की कीमत 76,500 रुपये प्रति किलोग्राम थी। पिछले महीने के अंत में, दिल्ली में सोने की कीमत 81,343 रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गयी। राष्ट्रीय राजधानी में चांदी की कीमत 103,200रुपये प्रति किलोग्राम थी। हालांकि नवंबर में कीमतें अस्थायी रूप से थोड़ी कम हो सकती हैं, लेकिन आने वाले शादी के मौसम में वे फिर से बढ़ने के लिए बाध्य हैं।

अमीर लोग मुद्रास्फीति के खिलाफ सुरक्षा के लिए लगातार अपनी अतिरिक्त रुपये की संपत्ति को सोने में दबा रहे हैं। नाममात्र जीडीपी में दुनिया में भारत की अनुमानित प्रति व्यक्ति आय रैंक 136वीं है, जो 2022 मं. 2,089.73 डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गयी है। देश ने दुनिया में सोने का पांचवां सबसे बड़ा आयातक होने का गौरव प्राप्त किया है, जो वैश्विक आयात का नौ प्रतिशत से अधिक है। 2023-24 में भारत का सोने का आयात साल-दर-साल 30 प्रतिशत बढ़ा है। अगस्त 2024 में, भारत ने रिकॉर्ड सोने के आयात की सूचना दी, जो कुल 10 अरब डॉलर था, जो पिछले महीने से तीन गुना वृद्धि थी। इस वर्ष के दौरान, भारत ने पहले चार महीनों में 2023 की तुलना में अधिक चांदी का आयात किया। फरवरी 2024 में, भारत का चांदी का आयात रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया, और वर्ष में 66 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद थी।

भारतीय स्वास्थ्य सेवा में योग्य पेशेवरों की कमी को दूर करना महत्वपूर्ण : रिपोर्ट

नई दिल्ली। एक रिपोर्ट में यह बात सामने आई है कि देश में यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज (यूएचसी) को बढ़ावा देने के लिए भारत को स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में योग्य पेशेवरों की कमी को दूर करना होगा।

फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) के सहयोग से भारत में केपीएमजी की रिपोर्ट ने भारत की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में सुधार की तत्काल आवश्यकता के बारे में बात की है।

केपीएमजी इंटरनेशनल के हेल्थकेयर के वैश्विक प्रमुख डॉ. अन्ना वैन पॉकि ने कहा, "भारत का स्वास्थ्य सेवा परिदृश्य एक महत्वपूर्ण परिवर्तन से गुजर रहा है, जो वैश्विक मंच पर नवाचार की किरण के रूप में उभर रहा है। यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज के लिए सरकार की प्रतिबद्धता के साथ, हम यह सुनिश्चित करने का सक्रिय दृष्टिकोण देख रहे हैं कि स्वास्थ्य सेवा केवल कुछ लोगों के लिए विशेषाधिकार नहीं बल्कि सभी के लिए अधिकार है।"

वैन पॉकि ने कहा, "हालांकि ,जैसे-जैसे भारत इस विकास को अपना रहा है उसे आधुनिक स्वास्थ्य सेवा की मांगों को पूरा करने वाले कुशल कार्यबल को विकसित करने पर ध्यान देना जरूरी है।"

रिपोर्ट योग्य पेशेवरों की कमी को दूर करने और पिछले तीस वर्षों में भारतीय स्वास्थ्य सेवा पारिस्थितिकी तंत्र के विकास का विश्लेषण करने में चिकित्सा शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया गया।

रिपोर्ट में सामर्थ्य, पहुंच और उपलब्धता पर जोर देते हुए कहा कि यह तीनों ही स्वास्थ्य सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण हैं।

आयुष्मान भारत योजना और राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य मिशन (एनडीएचएम) जैसी पहलों के बावजूद, देश को योग्य डॉक्टरों की कमी और चिकित्सा शिक्षा में असमानता जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

रिपोर्ट में कार्यबल की कमी, भौगोलिक असमानताओं और अनुसंधान की कमी और अनुपालन मुद्दों जैसी प्रमुख चुनौतियों पर भी बात की गई।

इसमें पीजी चिकित्सा शिक्षा को मजबूत करने, गुणवत्ता बढ़ाने, कम लोकप्रिय विशेषज्ञताओं के लिए पहुंच में सुधार लाने, वैकल्पिक पीजी कार्यक्रमों का विस्तार करने तथा अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने की सिफारिश की गई है।

भारत में केपीएमजी के पार्टनर और सह-प्रमुख हेल्थकेयर ललित मिस्त्री ने पाठ्यक्रम को आधुनिक बनाने, व्यावहारिक प्रशिक्षण को बढ़ाने और सभी क्षेत्रों और विशेषज्ञताओं में समान पहुंच सुनिश्चित करने के माध्यम से भारत में स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा के परिवर्तन का आह्वान किया।

अब एक और नयी दिल्ली बसने का समय

@ राकेश अचल

*****

ये दिल्ली किसकी दिल्ली है ये मुगलों की दिल्ली है ये अंग्रेजों की दिल्ली है ये आजाद भारत की राजधानी दिल्ली है पता नहीं ये किसकी दिल्ली है ये दिल्ली किसी की भी दिल्ली हो लेकिन आज की दिल्ली रहने लायक दिल्ली नहीं है। यहाँ सांस लेना मुहाल है। दिल्ली जिस यमुना के तीरे बसी है वो दिल्ली फसूकर डाल रही है इस यमुना के तीरे कोई कदम्ब की डाल नहीं है जिसके ऊपर बैठकर दो पैसे की बंशी बजाकर कोई धीर-धीरे कन्हैया बन सके यानि अब हमें एक और नयी यमुना तथा एक और नई दिल्ली बनाना होगी। इस दिल्ली से, इस यमुना से देश की जनता काम नहीं चलने वाला।

हमारी सरकार ने पिछले दस साल में अंग्रेजों के जमाने का, मुगलों के जमाने का और तो और कांग्रेस के जमाने का बहुत कुछ बदला है। शहरों के, स्टेशनों के, सड़कों के, स्टेडियमों के नाम बदले हैं, इसलिए हम चाहते हैं कि अब सरकार इस जानलेवा दिल्ली को भी बदल ही दे तो बेहतर। सरकार समर्थ सरकार है। सरकार ने नई संसद बना दी तो नई दिल्ली को कोई नया नाम देकर किसी दूसरी जगह बसाया जाना चाहिए। आज की दिल्ली, कल की दिल्ली से ज्यादा भयावह है। ये बहादुरशाह की दिल्ली भी नहीं है और पंडित जवाहर लाल नेहरू की भी दिल्ली नहीं है। आज की दिल्ली पंडित नरेंद्र दामोदर दास मोदी की दिल्ली है। बजबजाती दिल्ली,गंधाती दिल्ली।

बचपन में हमने सुना था कि दिल्ली की बात निराली होती है लेकिन आज देख रहे हैं कि दिल्ली की बात निराली नहीं काली है। दिल्ली वो अब दिल्ली नहीं बल्कि जलती हुई पराली है। इस दिल्ली में लोग जान हथेली पर रखकर जी रहे हैं क्योंकि दिल्ली को हवा सांस लेने लायक नही। दिल्ली का प्रदूषण सरकार नहीं, बेहोश जनता बढ़ा रही है। जनता पर दोष इसलिए मढ़ रहा हूँ, क्योंकि जनता बेचारी होती है। सरकार पर दिल्ली की बदहाली का दोष मढ़ने का साहस मुझमें नहीं है। ये दिल्ली अरविंद केजरीवाल और अमित शाह के बीच बंटी हुई दिल्ली है। ये दोनों ही इस दिल्ली के भाग्यविधाता हैं। बाकी तो केवल बातें हैं और बातों का क्या

हम दिल्ली को बेकार बताएँगे तो सरकार हमें भी दूसरों की तरह 'अर्बन नक्सली' कहने में देर नहीं लगाएगी, इसलिए हम खामोश हैं लेकिन सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट के वायु प्रदूषण विशेषज्ञ विवेक चट्टोपाध्याय बताते हैं कि 2006 के बाद से दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है। जबकि इस साल अक्टूबर से लेकर इस महीने का सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड का एयर क्वालिटी इंडेक्स देखें तो दिल्ली-एनसीआर की हवा लगातार बहुत खराब या खराब स्थिति में बनी हुई है। अब सरकार विवेक जी को अर्बन नक्सली कहने लगे तो हमारी बला से।

हम जानते हैं, आप जानते हैं, सरकार जानती है, सब जानते हैं

कि दिल्ली में कुल आबादी का 55 प्रतिशत हिस्सा सड़क के 300 से 400 मीटर के दायरे में रहता है। ऐसे में वाहनों से निकलने वाले प्रदूषण के सीधे प्रभाव में वही आते है। जिसका प्रभाव यह होता है कि वे इस प्रदूषण को सीधे सांस के माध्यम से खींचते हैं। इस वजह से सांस से जुडी समस्याएं सबसे ज्यादा सामने आती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन मानता है कि भारत में 100 फीसदी आबादी जिन इलाकों में रहती है वहां पीएम 2.5 का स्तर डब्ल्यूएचओ की गाइडलाइंस को पूरा नहीं करता। .यहां प्रदूषण स्तर इतना ज्यादा होता है कि महज कुछ दिनों में ही गंभीर बीमारियां पैदा हो सकती। दिल्ली दरअसल अब कबूतर - खाना है। यहां सम्पन्न इलाकों को छोड़ दिया जाये तो ज्यादातर मकान कबूतर के दड़बों जैसे ही है। वे झुग्गियां हों या करोड़, दस करोड़ के फ़्लैट और बंगले, सबकी हवा प्रदूषित है। दुनिया की तमाम मशीने, दिल्ली की हवा को स्वच्छ नहीं कर पा रहीं। हवा को शुद्ध, हवा ही करती है। पेड़-पौधे करते है। फैक्ट्रियों से उठता धुंआ नहीं। सरकारों के बूते की ये बात है भी और नहीं भी। सरकार न यमुना को मरने से बचा पा रही है और न दिल्ली को। दिल्ली की सीमा से लगे हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में डबल इंजिन की सरकारें हैं लेकिन वे न दिल्ली की सुनतीं हैं और न दिल्ली उनके कान उमेठ पाती है।

हमारी पीढी उस दिल्ली को मरता हुआ देख रही है जो पहले इतनी जानलेवा नहीं थी। इस दिल्ली में इंसान ही नहीं बल्कि बेजान इमारतें, स्मारक, समाधियां, मंदिर, मस्जिद सबके सब प्रदूषण के शिकार हैं। दिल्ली की दोनों सरकारें या तो कानों में कपास के फाहे लगाए बैठीं हैं या उन्होंने आज के जमाने के 'ईयर वड' लगा रखे है। किसीको कुछ सुनाई नहीं देता,कुछ दिखाई नहीं देता। दिल्ली धृतराष्ट्र और गांधारी की दिल्ली बनकर रह गयी है।

आज से पचास साल पहले जब मै दिल्ली जाता था तब की दिल्ली आज की दिल्ली से भिन्न थी। एक जमाने में मैंने पचकुइया मसान के बाहर भी ताजा हवा का अहसास किया था, लेकिन आज वहां भी ताजा हवा नहीं है। दिल्ली में कहीं भी ताजा हवा नहीं है। दिल्ली की हवा खराब है,बहुत ज्यादा खराब। इसे नामुमकिन को मुमकिन करने वाले हमरे देश के प्रधानमंत्री भी दुरुस्त नहीं कर पा रहे हैं। दिल्ली कोई ईवीएम भी तो नहीं है जो सरकार का कहना माने। दिल्ली तो दिल्ली है । दिल्ली वालों ने आधी कमान आम आदमी पार्टी को सौंप रखी है और आधी मोदी जी को। मुझे लगता है कि दिल्ली को शायद इसी वजह से ज्यादा भुगतना पड़ रहा है।

दिल्ली ही क्या पूरा देश प्रदूषण की गिरफ्त में है। दिल्ली की तरह हमारी सियासत प्रदूषित है। हमारे मजहब प्रदूषित हो रहे हैं या जानबूझकर किये जा रहे हैं। सबको अपनी-अपनी फिक्र है। देश और दिल्ली की नहीं। दिल्ली में सरकार को अब रेलों में टंगी उन तख्तियों की तरह एहतियातन ऐसे होर्डिंग लगवा देना चाहिए कि -दिल्ली वाले अपनी जान-ममाल की रक्षा खुद करें क्योंकि ये जान ,ये माल दिल्ली वालों का है। दिल्ली को अब शायद भगवान भी नहीं बचा सकता ,हालाँकि दिल्ली के लोग भगवान भरोसे ही अब तक जिंदा हैं।

वर्षों पहले मैंने पड़ौस में चीन की राजधानी बीजिंग और चीन के मुंबई कहे जाने वाले शंघाई में प्रदूषण की दुर्दशा को देखा था और मन ही मन भगवान का शुक्रिया अदा किया था कि कम से कम हमारी दिल्ली तो बीजिंग जैसी प्रदूषित नहीं है। बीजिंग में प्रदूषण की चादर को सूर्य भगवान भी नहीं भेद पाते। वहां दिन में इतनी धूप नहीं खिल पाती कि आप अपने घर की छत या बालकनी में मसाले या अपने चड्डी-बनियान सुखा लें। अब दिल्ली ने बीजिंग को भी पीछे छोड़ दिया है।

अब हमारे पास दो ही विकल्प हैं। पहला ये कि हम 1 करोड़ 70 लाख से ज्यादा आबादी वाली दिल्ली को ऐसे मास्क उपलब्ध कराएं जो उनके फेंफड़ों में जाने वाली हवा में घुला प्रदूषण सोख ले और दूसरा ये कि हम दिल्ली को खाली करा लें और कहीं दूर नयी जगह, देश की नई राजधानी बनाएं। दिल्ली को खाली करना कठिन टास्क है। दिल्ली की जनता को हैलमेट की तरह मास्क लगाना अनिवार्य किया जा सकता है।

हमें उम्मीद है कि यदि भाजपा अपनी कार्य योजना के तहत यदि अगले 35 साल तक देश की सत्ता सम्हालती है तो या तो वो नए संसद भवन की तरह कहीं कोई नयी दिल्ली बना लेगी या फिर मौजूदा दिल्ली को बचने के लिए कोई मिस्डकॉल आंदोलन शुरू करेगी। फिलहाल तो हमारी बड़ी सरकार अपनी पार्टी कि नए भवन बनाने में मशगूल है दिल्ली की हांफती,खांसती, जनता और फसूकर डालती यमुना के प्रति मेरी कोटि-कोटि संवेदनाएं हैं, सहानुभूति है, क्योंकि इस पर्दशन कि खिलाफ हमारे देश की सबसे बड़ी अदालत भी हथियार डाल चुकी है। भगवान दिल्ली की और दिल्ली वालों की रक्षा करे। वैसे भी पूरा देश दिल्ली की तरह बीमार होता जा रहा है।

मदरसा शिक्षा पर बड़ा फैसला

मंगलवार 5 नवंबर को भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए उत्तरप्रदेश मदरसा अधिनियम 2004 को मान्यता बरकरार रखी है। दरअसल इसी साल 22 मार्च को इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने मुलायम सिंह सरकार द्वारा बनाए गए इस अधिनियम को असंवैधानिक करार देते हुए धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत के खिलाफ बताया था। उच्च न्यायालय के जस्टिस विवेक चौधरी और जस्टिस सुभाष विद्यार्थी की खंडपीठ ने उप्र की योगी आदित्यनाथ सरकार को एक योजना बनाने का निर्देश भी दिया था, ताकि वर्तमान में मदरसों में पढ़ रहे छात्रों को औपचारिक शिक्षा प्रणाली में समायोजित किया जा सके।

गौरतलब है कि 2004 में बनाए गए मदरसा अधिनियम का मकसद मदरसा शिक्षा को व्यवस्थित करना था। इसमें मदरसा शिक्षा को अरबी, उर्दू, फारसी, इस्लामी अध्ययन, तिब्ब (पारंपरिक चिकित्सा), दर्शन और अन्य विषयों की शिक्षा के रूप में परिभाषित किया गया है। उत्तर प्रदेश में लगभग 25 हजार मदरसे हैं। जिनमें से साढ़े 16 हजार मदरसे उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड की ओर से मान्यता प्राप्त हैं। इनमें से 560 मदरसों को सरकार से आर्थिक मदद मिलती है। इसके अलावा, राज्य में साढ़े आठ हजार गैर-मान्यता प्राप्त मदरसे भी चल रहे हैं। मदरसा शिक्षा बोर्ड स्नातक और पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री देता है। इनको क्रमशः कामिल और फाजिल कहा जाता है। हालांकि अब सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद मदरसे कामिल और फाजिल की डिग्री नहीं दे सकेंगे, क्योंकि यह यूजीसी के अंतर्गत आते हैं। मगर मदरसों के छात्र 12वीं तक की शिक्षा पहले की तरह ले सकेंगे।

दरअसल यहां मसला इस बात का नहीं है कि बच्चों को कौन सी डिग्री मिल रही है और कौन सी नहीं। असल सवाल उस अधिकार का है, जो संविधान के दायरे में रहकर अल्पसंख्यक समुदाय को दिया गया था, लेकिन उसके हनन के खतरे खड़े हो गए थे। मार्च 2024 में अंशुमन सिंह राठौड़ की याचिका पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने जब मदरसा अधिनियम के खिलाफ फैसला सुनाया था, तो इसे धर्मनिरपेक्षता के खिलाफ बताया था। इस फैसले के बाद उप्र सरकार ने मदरसों के खिलाफ तमाम फरमान जारी कर दिए थे। मदरसों की मनमानी जांच शुरू कर दी गई। हालांकि इन सभी मदरसों में आधुनिक शिक्षा दी जा रही थी लेकिन सरकार ने अपना आदेश जारी कर यह भी प्रचारित किया कि मदरसों में आधुनिक शिक्षा नहीं दी जा रही। जबकि मदरसों के छात्र धार्मिक तालीम के साथ-साथ इतिहास, भूगोल, गणित और विज्ञान आदि उर्दू या अरबी के जरिए पढ़ते हैं।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ कई याचिकाएं दायर की गईं। इनमें अंजुम कादरी, मैनेजर्स एसोसिएशन मदरिस अरबिया (उप्र), ऑल इंडिया टीचर्स एसोसिएशन मदरिस अरबिया (नई दिल्ली), मैनेजर एसोसिएशन अरबिया मदरसा नए बाजार और टीचर्स एसोसिएशन मदसिर अरबिया कानपुर शामिल थे। याचिकाकाताओं ने तर्क दिया कि इस फैसले में अल्पसंख्यकों के अधिकारों के लिए बनाए गए संविधान के अनुच्छेद 30 पर भी ध्यान नहीं दिया गया, जो धार्मिक और भाषाई अल्पसंख्यकों को शैक्षिक संस्थानों की स्थापना और प्रशासन के अधिकार की गारंटी देता है। सर्वोच्च न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश डी वाय चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की खंडपीठ ने भी उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ आदेश सुनाते हुए धर्मनिरपेक्षता को लेकर जो कुछ कहा, वह भविष्य के लिए भी मिसाल बन गया है। अदालत ने कहा कि धर्मनिरपेक्षता की सकारात्मक अवधारणा के लिए राज्य को अल्पसंख्यक संस्थानों के साथ धर्मनिरपेक्ष संस्थानों के समान व्यवहार करने के लिए सक्रिय कदम उठाने की आवश्यकता होती है, जबकि उन्हें अपने अल्पसंख्यक चरित्र को बनाए रखने की अनुमति होती है। सकारात्मक धर्मनिरपेक्षता राज्य को सभी व्यक्तियों के साथ समान व्यवहार करने के लिए कुछ व्यक्तियों के साथ अलग व्यवहार करने की अनुमति देती है। सकारात्मक धर्मनिरपेक्षता की अवधारणा मौलिक समानता के सिद्धांत में संगत पाती है।

इस व्याख्या के बाद संविधान प्रदत्त अधिकारों की जो मनमानी व्याख्या सत्तारुढ़ दल अपने छिपे एजेंडे को लागू करने के लिए करते हैं, उन पर शायद अंकुश लगे। दरअसल मदरसों को लेकर तमाम तरह की भ्रांतियां बीते कुछ बरसों में फैलाई गईं। इसी तरह मिशनरी स्कूलों को लेकर भी पूर्वाग्रह फैलाए गए और देश में कई जगहों पर इन स्कूलों में अराजक तत्वों द्वारा अशांति फैलाने की कोशिशें भी हुईं। इसके बरक्स संघ की सोच से संचालित सरस्वती शिशु मंदिरों को खूब बढ़ावा मिला।

वहीं स्कूलों में सूर्य नमस्कार, गायत्री मंत्र या गीता के पाठ के जरिए परोक्ष रूप से हिंदुत्व की राजनीति को बच्चों के नाजुक मन पर रोपने की कोशिशें भी चल ही रही हैं।

योग एवं अध्यात्म के सहारे कैंसर पर काबू पाये

-: ललित गर्ग:-

वैश्विक स्तर साल-दर साल कैंसर रोगियों और मृतकों की संख्या बढ़ रही है। भारत में बीते सालों में कैंसर के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी देखी गई है। कैंसर की पहचान, रोकथाम और इलाज के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से हर वर्ष भारत में राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस 7 नवम्बर को मनाया जाता है। प्रसिद्ध नोबेल पुरस्कार विजेता मैडम क्यूरी की जयन्ती पर उनकी स्मृति में यह दिवस मनाया जाता, जिन्होंने कैंसर के खिलाफ चल रही लड़ाई में बहुत योगदान दिया है। उनके उत्कृष्ट शोध ने परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में विकास और कैंसर के उपचार के लिए रेडियोथेरेपी के उपयोग में मदद की है। यह दिवस कैंसर से लड़ने की हमारी क्षमता पर मैडम क्यूरी के वैज्ञानिक प्रयासों के बड़े प्रभाव की याद दिलाता है।

भारत में एक अनुमान के अनुसार 20 से 25 लाख कैंसर रोगी हैं, जिनमें से हर साल लगभग 7 लाख नए मामले सामने आते हैं। जब एक नए कैंसर के मामले का निदान किया जाता है, तो उनमें से दो-तिहाई पहले से ही लाइलाज अवस्था में होते हैं। इनमें से 60 प्रतिशत से अधिक कैंसर रोगी 35 से 65 वर्ष की आयु के बीच के हैं। बढ़ती जीवन प्रत्याशा और प्रगति के साथ बदलती जीवनशैली के कारण कैंसर के मामले अब की तुलना में लगभग तीन गुना अधिक होंगे। हर साल, राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस एक अनूठी थीम अपनाता है, 2023-24 में, थीम ह्यदेखभाल की कमी को पूरा करेंह्ण है, यह थीम कैंसर देखभाल, कैंसर की रोकथाम, शुरूआती पहचान और उपचार तक पहुँच में सुधार के बारे में जागरूकता बढ़ाने पर केंद्रित है।

कैंसर एक ऐसा रोग है जिसके बारे में सुनकर ही लोग डर जाते हैं। कैंसर, वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ती गंभीर और जानलेवा स्वास्थ्य समस्याओं एवं बीमारियों में से एक है, जिसके कारण हर साल लाखों लोगों की मौत हो जाती है। ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज का अनुमान है कि दुनिया में हर छठी मौत कैंसर के कारण होती है। मेडिकल क्षेत्र में क्रांतिकारी प्रयोग और तकनीक विकास के चलते कैंसर अब लाइलाज बीमारी तो नहीं रही है, पर अब भी आम लोगों के लिए इसका इलाज काफी कठिन बना हुआ है। असाध्य बीमारी होने के बावजूद इस बीमारी को परास्त किया जा सकता है, अगर जिजीविषा एवं हौसला हो तो कैंसर को भी पस्त किया जा सकता है। हम जानते हैं कि हममें से हर एक में बदलाव लाने की क्षमता है, चाहे बड़ा हो या छोटा, और साथ मिलकर हम कैंसर के वैश्विक एवं राष्ट्रीय प्रभाव को कम करने में प्रगति कर सकते हैं।

मानव शरीर कई कोशिकाओं से मिलकर बना होता है। इनका समय-समय पर रिप्लेसमेंट होता है। जैसे-जैसे कोशिकाएं मरती जाती हैं उनकी जगह पर नई कोशिकाओं का निर्माण होता है। इन रिप्लेसमेंट के दौरान जो सेल मल्टिप्लीकेशन होता है उसके अंदर कोई एक विकृत कोशिका भी पैदा हो जाती है और यह असामान्य कोशिका ऐसी होती है जिस पर शरीर के सिस्टम्स का कोई नियंत्रण नहीं होता और यह सेल इस तरह मल्टीप्लाई करता है कि अंततोगत्वा यह ट्यूमर अथवा कैंसर का रूप अख्तियार कर लेता है। कैंसर कई प्रकार के हो सकते हैं, सभी उम्र के व्यक्तियों में इसका जोखिम देखा जा रहा है। शरीर के किसी हिस्से में असामान्य कोशिकाओं की वृद्धि और इसका अनियंत्रित रूप से विभाजन कैंसर का कारक होती है। आनुवांशिकता, पर्यावरणीय, लाइफस्टाइल में गड़बड़ी, रसायनों के अधिक संपर्क के कारण कैंसर होने का जोखिम बढ़ जाता है। महिलाओं में सर्वाइकल और ब्रेस्ट कैंसर और पुरुषों में फेफड़े-प्रोस्टेट और कोलन कैंसर का खतरा सबसे अधिक देखा जाता रहा है।

पिछले कुछ वर्षों में विज्ञान ने कैंसर के प्रकारों, कारणों और उपचारों में काफी विकास किया है। ऐसे तमाम आम और सेलिब्रेटी हैं, जिन्होंने कैंसर का सही समय पर जांच और इलाज करवाकर जीवन का सुख प्राप्त कर रहे हैं। इस दिशा में और भी जागरूकता और सतर्कता बढ़ाने की जरूरत है। कैंसर लाइलाज नहीं है, लेकिन इसका इलाज स्टेज 1 या स्टेज 2 में पता लग जाने और तुरन्त ऑपरेशन करके निकाल देने से संभव है। इन वर्षों में अनेक प्रभावी दवाइयों एवं इलाज प्रक्रियाएं भी सामने आयी है जैसे- टार्गेटेड थेरेपी है, इम्यूनो थेरेपी है। उससे लोगों को काफी आराम मिलता है। उससे अनेक लोगों का खतरा पूरी तरह या कुछ मात्रा में कम हुआ एवं जीवन में कुछ वर्ष बढ़े हैं। कैंसर एक लाइफस्टाइल बीमारी भी है। इसलिये जीवन को संतुलित एवं संयममय बनाकर इस बीमारी को कम किया जा सकता है। आप कैसे रहते हैं, क्या खाते हैं, क्या आपकी आदतें हैं, क्या आपकी बुरी आदतें है, उसपर भी निर्भर करता है। लाइफस्टाइल और आहार को पौष्टिक रखने के साथ शराब-धूम्रपान को छोड़कर कैंसर के खतरे से बचाव किया जा सकता है।

असंतुलित जीवनशैली ने आज एक नहीं कई शारीरिक समस्याओं के जोखिम को बढ़ा दिया है। कैंसर भी ऐसा ही एक जोखिम है जो लंबे समय तक नजरअंदाज किये जाने के कारण अक्सर गंभीर रूप धारण कर लेता है। अगर कुछ सावधानियों को जीवन का हिस्सा बना लें तो हम ऐसी समस्याओं को आने से पहले ही रोक सकते हैं। कैंसर अब एक तरह से जीवनशैली से जुड़ी बीमारी बनती जा रही है। कई बार तो लंबे समय तक यह बीमारी पकड़ में ही नहीं आती। इसका एक बड़ा कारण जागरूकता का अभाव भी है। हालांकि, कैंसर पूर्व के कुछ लक्षण दिखते हैं, जिन्हें आमतौर पर नजरअंदाज कर दिया जाता है। मुंह में सफेद या लाल धब्बे, शरीर में कहीं गांठ बन जाना और उसका बढ़ना, लंबे समय तक खांसी, कब्ज की लगातार समस्या, अधिक थकान और वजन में गिरावट जैसे लक्षणों को कतई नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

कैंसर को नियंत्रित करने में अध्यात्म की महत्वपूर्ण भूमिका है। क्योंकि अध्यात्म से व्यक्ति को आत्मविश्वास व मानसिक बल मिलता है। अध्यात्म के सहारे से जीवन की यात्रा को सुगम व सरल किया जा सकता है। इसे एक पारंपरिक उपचार प्रणाली के रूप में जाना जाता है, जो पूरे शरीर, मन और आत्मा में ऊर्जा के संतुलन और प्रवाह को पुनर्स्थापित करती है। जिस प्रकार दवाई हमारे शरीर के अंदर जाकर बीमारी को ठीक करती है, ठीक उसी प्रकार आध्यात्मिक इलाज हमारे मन को मजबूत बना कर किसी भी बीमारी से लड़ने की हिम्मत देता है। सुख-दुख, विपदाएं, वेदना, परेशानियां, कठिनाइयां और बीमारियों का सामना करते-करते व्यक्ति के अंदर से सकारात्मक ऊर्जा खत्म होने लगती है, जिस कारण व्यक्ति थक जाता है और अंदर से टूट जाता है। यह टूटन एवं निराशा कैंसर की सबसे बड़ी बाधा है। अध्यात्म में वो शक्ति है, जो हारे हुए व्यक्ति के जीवन में नई ऊर्जा भर देता है। अध्यात्म के बहुत सारे अंग हैं जैसे- योग, प्राणायाम, मंत्र साधना, ध्यान, आदि। इसके माध्यम से व्यक्ति अपने आप को भीतर से मजबूत बना सकता है।

यही वजह है कि जो व्यक्ति अपने जीवन में अध्यात्म को अपना लेता है, वो कैंसर से जुड़ी हर पीड़ा, वेदना एवं हर परिस्थिति का डटकर सामना करता है। ऐसा व्यक्ति जीवन में कभी हार नहीं सकता।

कैंसर संक्रामक रोग नहीं है। कैंसर के मरीजों से दूरी न बनाएं, बल्कि उनके साथ जुड़कर उनको मानसिक संबल दें, उनमें सकारात्मक सोच विकसित करें। कैंसर की जंग में सकारात्मक सोच रोगी का सबसे बड़ा हथियार हो सकता है। पूर्व क्रिकेट खिलाड़ी युवराज सिंह हों या कई बॉलीवुड सितारे, सबने अपनी सकारात्मक सोच के जरिए ही कैंसर पर विजय हासिल की है।

दुल्हन सजे वैस्टर्न और इंडियन लुक में

यदि किसी लड़की को संस्कृति, परंपरा और संस्कारों की जीती-जागती तस्वीर के रूप में देखना हो तो वे पल उसकी शादी के होते हैं। यही वे पल हैं, जो उसका रूप निखारते हैं। आज की दुल्हन वैस्टर्न और इंडियन लुक के बैलेंस में स्वयं को संवारना चाहती है। पारंपरिक साड़ी और लहंगे को हर बार नए अंदाज में प्रस्तुत कर उसकी इस ख्वाहिश को पूरा करते हैं डिजाइनर्स, यही कारण है कि आऊटफिट तैयार करते हुए दुल्हन के कांप्लैक्शन और फिगर का खास ख्याल रखा जाता है...

कांप्लैक्शन का ध्यान रखना जरूरी

यदि दुल्हन का रंग गोरा है तो कोई भी रंग बेधड़क पहना जा सकता है। इस मौके पर आप पिंक, फिरोजी, ग्रीन, रैड, सिल्वर या गोल्डन किसी भी कलर को चूज कर सकती हैं। यदि कांप्लैक्शन गेहुंएं रंग का है तो आप पर रूबी, रैड, ऑरेंज, नेवी ब्ल्यू, फिरोजी और ब्ल्यू कलर ज्यादा अच्छे लगेंगे, गोल्ड बेस वर्क के साथ मैरून, मैट गोल्ड वर्क के साथ एमेराल्ड ग्रीन या कॉपर के शेड्स अच्छे लगते हैं। सांवली रंगत वालों को ब्राइट कलर में यैलो,ऑरेंज, रैड एवं ब्ल्यू कलर्स में अपना आऊटफिट तैयार करवाना चाहिए।

बॉडी शेप

सिर्फ कम्प्लैक्शन के हिसाब से ही नहीं बल्कि बॉडी शेप के अनुसार भी लहंगे और साड़ी का चुनाव किया जाना बहुत जरूरी है ।तभी तो इस दिन आप सबसे अलग नजर आ पाएंगी। परफैक्ट शेप वाली लड़कियों पर हर तरह के स्टाइल का लहंगा जंचता है, इसलिए जो भी फैशन में हो आप बिना टैंशन के पहन सकती हैं। लहंगे के साथ स्ट्रेपी, वन शोल्डर, ऑफ -शोल्डर, डीप बैक में से जिस तरह की भी चोली आपको पसंद हो, बनवाएं। आप एंब्रायडरी फैशन के अनुरूप चुन सकती हैं अर्थात अपना आऊटफिट चुनने में आपको किसी प्रकार की टैंशन नहीं और च्वाइस में बहुत कुछ अवेलेबल है।

हैवी ब्रैस्ट वाली लड़कियों को लाइट वर्क वाली चोली का ही चुनाव करना चाहिए। यदि एम्ब्रायडरी का डिजाइन छोटा हो तो अच्छा लगेगा। यदि कमर के नीचे का हिस्सा हैवी है तो ए-लाइन लहंगा आप पर खूबसूरत लगेगा। फैब्रिक भी सॉफ्ट ही होना चाहिए। फुलावट वाला लहंगा आपको और भी हैवी लुक देगा। फुल स्लीव चोली भी आपकी फिगर को बैलेंस लुक देगी। पतली और लंबी लड़कियों पर कोई भी फैब्रिक अच्छा लगता है। लहंगे के साथ डीप नैक वाली छोटी चोली पहनें तथा दुपट्टा लंबा रखें। आप लंबे स्लीव और हाई नैक लाइन को इगनोर करें। चौड़ी बॉडी वाली लड़कियों को क्रेप या जॉर्जेट अच्छा लुक देगा। स्लिम लुक के लिए डॉर्क शेड में डीप नैक वाली चोली लें। लहंगे का बार्डर पतला और एम्ब्रायडरी वर्टिकल डिजाइन में रखें, आप एलिगैंट नजर आएंगी।

सर्दी में भी बच्चे रहें सेहतमंद

सर्दी के मौसम में जितनी देखभाल आप खुद की करते हैं उससे कहीं ज्यादा ख्याल अपने बच्चों का भी रखते हैं लेकिन लाख देखभाल करने के बावजूद इस मौसम में बच्चों को सर्दी-जुकाम, बुखार जैसी समस्याएं हो ही जाती हैं चूंकि बच्चे अपनी समस्या सही तरीके से बता नहीं पाते और उपचार के दौरान उनसे परहेज कराना भी बड़ा मुश्किल काम होता है, इसलिए बच्चों की खराब सेहत एक बड़ी टैंशन के रूप में सामने आती है। ऐसे में बेहतर तरीका तो यही है कि इस मौसम की नजाकत को समझते हुए बच्चों को सीजनल बीमारियों से बचाने का प्रयास किया जाए।

बरतें सावधानी

दरअसल, सर्दी के मौसम में बच्चों को सर्दी-जुकाम, लंबे समय तक खांसी, इन्फ्लूएंजा, वायरल, फ्लू, अस्थमा, ब्रोंकाइटिस जैसी बीमारियों की आशंका अधिक होती है लेकिन ठंड के मौसम में केवल थोड़ी सी सावधानी बरत कर ही आप अपने बच्चों को कई बीमारियों से दूर रख सकती हैं। हालांकि आम तौर पर बच्चे दवाएं लेने में आनाकानी करते हैं ऐसे में आप बच्चों को सर्दी-जुकाम की शुरूआत होते ही घरों में अदरक-तुलसी आदि का सेवन कराएं। यदि बच्चे को बुखार नहीं है और उसके ऊपरी रैस्पिरेट्री हिस्से सर्दी से प्रभावित हैं तो ये घरेलू उपचार काफी हद - तक उसके लिए फायदेमंद साबित होते हैं लेकिन अगर बच्चे को तीन दिन से अधिक समय तक बुखार और जुकाम हो या फिर 4-5 दिन बिना बुखार के सर्दी टिकी रहे तो अच्छे डॉक्टर से जांच कराने में देर कतई नहीं करें।

इनका भी रखें ध्यान

- नए ट्रेंड में फिटेड और खूबसूरत कट के लहंगों का फैशन है। फिश कट लहंगा और फिटेड चोली के साथ ए-लाइन घाघरा भी खूब पसंद किए जा रहे हैं।
- दुल्हन के लिए बनारसी एवं सिल्क की गोल्डन और सिल्वर वर्क के साथ साडियां ही पहली पसंद में शामिल रहती हैं। हालांकि हैवी वर्क के साथ शिफॉन, क्रेप और जॉर्जेट की साडियों का चलन भी बढ़ा है।
- साड़ी एवं लहंगा दोनों में मिरर, गोटा एवं पर्ल वर्क इन फैशन है। एंटीक गोल्ड, क्रिस्टल वर्क ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं। कुंदन वर्क एवं सितारा वर्क के साथ थ्रैड वर्क, क्लासिक वर्क तथा कटैंपरेरी वर्क का खूबसूरत कांबीनेशन भी बेहद पसंद किया जाता है।
- मोटी लड़कियों को साड़ी के अंदर स्ट्रेट कट या नॉन प्लेयर्ड पेटीकोट यूज करना चाहिए। इससे आप थोड़ा स्लिम लगेंगी। आपको शिफॉन, क्रेप और जॉर्जेट की साडियां पहननी चाहिए।

मैचिंग ड्रैस से बनें परफैक्ट

नई-नई शादी हुई हो तो हसबैंड और वाइफ दोनों ही अलग लुक में नजर आना चाहते हैं। खास तौर से डिनरलाइट पार्टीज, त्यौहारों एवं पारिवारिक समारोहों पर, ऐसे में मैचिंग ड्रैस एक परफैक्ट आप्शन नजर आता है जिसे आमतौर पर सैलीब्रिटीज कपल कैरी करते हैं। मौसम और समय के अनुसार आप रंग चुन सकते हैं या चाहें तो मैचिंग कंट्रास्ट भी कर सकते हैं। वास्तव में यह प्रेम को अभिव्यक्त करने के साथ ही रचनात्मकता और कुछ अलग करने की संतुष्टि भी प्रदान करता है।

ट्रैडिशनल लुक में सजें

इस रेंज में पत्नी के पास लहंगा, साड़ी, सलवार-सूट, गरारा और अनारकली जैसे कई विकल्प उपलब्ध हैं, तो पति भी उनके साथ कुर्ता-पायजामा, धोती-कुर्ता या शेरवानी जैसे ट्रैडिशनल परिधान चुन सकते हैं। यूं तो ट्रैडिशनल ड्रैसेज में केवल लाल, नारंगी, पीला रंग ही पसंद किया जाता था, परंतु अब आप रेडियम ग्रीन, ब्ल्यू या पर्पल, आइस ब्ल्यू, लीफ ग्रीन आदि से लेकर क्रीम और चॉकलेट कलर भी इस कैटेगरी में पसंद कर सकती हैं। अपने लहंगे, साड़ी या सलवार सूट की मैचिंग के हिसाब से पतिदेव के लिए उसी कलर में पाइपिंग, लाइनिंग या एम्ब्रायडरी वाला कुर्ता या शेरवानी चुनें।

यदि पतिदेव एक जैसे रंगों वाले परिधान नहीं चाहते तो आप उनके कुर्ते की नैक और स्लीव्स पर सेम कलर की हल्की एम्ब्रायडरी के साथ अपनी ड्रैस के कलर से मैचिंग चूड़ीदार पायजामा या धोती चुन लें या फिर उनके लिए मैचिंग स्टोल लें, इससे भी आप मैचिंग ड्रैस का लुत्फ उठा सकती हैं।

मॉडर्न - यह एक ऐसा ऑप्शन है जिसमें मैचिंग से किसी भी पति को एतराज नहीं हो सकता। यदि आप शानदार ईवनिंग गाऊन या फुल लैंथ ड्रैस पहन रही हैं तो उनके लिए थ्री पीस सूट, सामान्य सूट या फिर जींस के साथ अट्रैक्टिव एम्ब्रायडरी वाली शेरवानी निकाल लें। आप दोनों सब लोगों में अलग एवं आकर्षक नजर आएंगे। इसके अलावा पति के सूट या टाई से मैच करता आपका गाऊन भी एक अच्छा विकल्प है।

एक्सैसरीज - फुटवियर, वॉच, पर्स, बैग, क्लच, ब्रेसलैट, नैकलेस, बैल्ट, ईयररिंग्स या फिर बीडेड ज्यूलरी इत्यादि ढेर सारे ऑप्शंस हैं जो आप दोनों एक-दूसरे के ड्रैसअप के लिहाज से मैच कर सकते हैं। यहां आप अपनी पूरी क्रिएटिविटी दिखा सकते हैं।

लुक कूल विद हॉट स्टोल

फैशन का अंदाज हमेशा बदलता रहता है। मौसम की नजाकत के हिसाब से ही फैशन बाजार में अपना स्थान बना पाता है। इस समय सर्दी अपने पूरे शबाब पर है, ऐसे में खूबसूरत ड्रैसेस के साथ स्टाइल बनाए रखने के लिए स्टाइलिश स्टोल्स इन हैं। इनसे ठंड से तो बचाव होगा ही बल्कि ड्रैसेस की खूबसूरती भी बरकरार रहेगी...

ठंड दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। बाहर निकलने से पहले ढ़ेर सारे गर्म कपड़े, स्वैटर, जैकेट पहनने पड़ते हैं। लेकिन यह साल का बैस्ट फैशन टाइम भी होता है। सर्दी का मौसम फैशन के लिहाज से बहुत हॉट होता है। फैशन के दीवाने, सर्दी के इस मौसम में भी फैशनेबल दिखना चाहते हैं, पर साथ ही खुद को ठंड से बचाए रखना भी चाहते हैं। युवा इस कूल सीजन में खुद को हॉट बनाए रखने के लिए अपना फैशन स्टेटमेंट भी खूबसूरती के साथ चेंज करते हैं। इसलिए स्टाइलिश और डिफरेंट लुक के लिए उनकी पसंद होती है ऐसा विंटर वियर जिससे उनकी डिजाइनर ड्रैस पूरी तरह ढंके नहीं और साथ ही उनका स्टाइल भी बरकरार रहे।

सर्दी से बचाव के साथ ही यदि इसमें फैशन के रंग भी शामिल हो जाएं तो क्या बात है। विंटर में ट्रेंडी और स्टाइलिश अंदाज में रहने के लिए स्टोल्स खूब पसंद किए जा रहे हैं। स्टोल्स की सबसे बड़ी खासियत यह है कि ये आपकी ड्रैस को नोटिसेबल फ्लेयर देते हैं। वूलन और सिल्क से बने ये स्टोल्स स्मार्ट और डिफरेंट लुक्स भी दे रहे हैं। विभिन्न रंगों में उपलब्ध होने के कारण लड़कियों में इसकी खरीदारी जोरों पर चल रही है। ड्राइव करते समय या सर्दी में अपने चेहरे को ठंडी हवा और बेजान होने से बचाने के लिए लड़कियां इन स्टोल्स को पहनना पंसद कर रही हैं।

स्टोल्स का स्टाइल

स्टोल यानी चौकोर कपड़े का एक ऐसा टुकड़ा, जो इंडियन दुपट्टे और स्कार्फ का ही एक रूप है। हर कोई स्टोल्स पहनना पसंद कर रहा है। हर उम्र और मिजाज के लोग इनका इस्तेमाल कर सकते हैं। स्टोल पहनने के कई तरीके हैं। आप अपने रंग-रूप और आउटफिट के हिसाब से स्टोल को कई तरीके से पहन सकती हैं। ज्यादातर महिलाएं इसे गले में हार की तरह दो बार घुमा कर डालती हैं और यह गले और गर्दन को पूरी तरह ढंक देता है। इन्हें गांठ बांधकर या फिर पिनअप करके भी पहना जा सकता है। लम्बे स्टोल को गले में कॉलर वाली शर्ट या स्वैटर के साथ डाल सकती हैं। जींस और शर्ट के साथ सिंपल पोल्का डॉट्स वाले स्टोल को गले में बांध सकती हैं और यदि आप थोड़ी बिंदास दिखना चाहती हैं तो इसे सिर पर भी बांध सकती हैं। कैजुअल दिखने के लिए आप स्टोल को गले में बिना गांठ बांधे भी डाल सकती हैं। पुरुष स्टोल को स्कार्फ की तरह इस्तेमाल करते हैं। पुरुषों के स्टोल्स यूनिसैक्स रंगों और फैब्रिक में आते हैं। इन्हें फॉर्मल और कैजुअल दोनों तरह की ड्रैसेस के साथ पहन सकते हैं। फॉर्मल वियर के साथ इसे नॉट लगाकर पहन सकते हैं, जिसके सिरे या तो चैस्ट तक लंबे हों या फिर आपके कोट की लंबाई के बराबर।

स्टाइलिश लुक

एक्सैसरीज में स्टोल्स का क्रेज बढ़ रहा है। यही वजह है कि युवतियां शॉल की बजाय स्टोल्स पहनना ज्यादा पसंद करती हैं। अगर इनका चयन अपनी पर्सनैलिटी के हिसाब से किया जाए, तो कॉलेज जाना हो या फिर किसी पार्टी में स्टोल्स आपको बहुत डैशिंग लुक देते हैं। स्टोल्स इंडियन व वैस्टर्न दोनों तरह की ड्रैसेज पर फबते हैं। जींस, टॉप, कैप्री व स्कर्ट्स पर ये स्टोल्स कूल लुक देते हैं। इसे आप सलवार सूट के साथ भी कैरी कर सकती हैं। अगर आप इन्हें जींस के साथ मैच करके पहनना चाहती हैं, तो पतला फोल्ड बनाकर मफलर लुक में कैरी कर सकती हैं। स्कर्ट पर पतला फोल्ड करके इसके दोनों सिरे आगे की तरफ लेकर डाल सकती हैं।

सॉफ्ट एंड कंफर्टेबल

माना जाता है कि सर्दियों में गले को बचाना, उसे ढंक कर रखना बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि हमारे शरीर की कई नाजुक नसें गले से जुड़ी होती हैं इसलिए सर्दियों में गले को बचाना जरूरी है। स्टोल्स को गले में मफलर की ही तरह लपेटा जाता है। सर्दियों में आमतौर पर लंबे स्टोल कैरी किए जाते हैं, जिन्हें गले में डालकर गर्दन, कान और चेहरे को ठंड से बचाया जा सकता है। इस तरह ये आपको एक स्टाइलिश फैशनेबल लुक तो देते ही हैं, साथ ही आपका ठंड से बचाव भी करते हैं। स्टोल्स मफलर से ज्यादा हल्के, काफी गर्म और बेहद सॉफ्ट फैब्रिक में होते हैं। इसलिए ये बेहद कंफर्टेबल होते हैं और सर्दी से बचाव करने में बेजोड़।

मैचिंग एंड कंट्रास्ट

स्टोल्स के इतना लोकप्रिय होने का एक कारण यह भी है कि ये बहुत ही किफायती होते हैं, इनमें रंगों की बड़ी वैरायटी मिल जाती है और डिजाइंस की भरमार रहती है। इसके चलते यंगस्टर्स अपनी ड्रैसेस के साथ मैचिंग रंगों वाले स्टोल्स खूब खरीदती हैं। कई लोग इन्हें अपनी ड्रैस के कलर के अपोजिट कंट्रास्ट रूप में भी डालना पसंद करती हैं। स्टोल यदि आपकी आउटफिट के साथ कॉन्ट्रास्ट में होगा तो ज्यादा हॉट लुक देगा। इसलिए यदि आप ब्लैक ड्रैस ट्राई कर रही हैं तो कलरफुल स्टोल आपको ज्यादा स्मार्ट और खूबसूरत लुक देगा।

सिल्क स्टोल्स हैं लाजवाब

सिल्क व वूलन मिक्स से बने स्टोल्स इन दिनों महिलाओं व युवतियों की पहली पसंद बने हुए हैं। इस सीजन में थोड़ा हटकर ट्राई करें। इस मौसम में फैब्रिक का सबसे ज्यादा महत्व है। सिल्की टच लिए स्टोल्स अपने रिच लुक के कारण ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं। सिल्क स्टोल कई शेप्स, डिजाइन और कलर्स में आप खरीद सकती हैं। स्कवेयर सिल्क स्टोल लड़कियां ज्यादा प्रेफर करती हैं क्योंकि यह औरों से अलग लुक देता है साथ ही इसे ज्यादा आसानी से कैरी किया जा सकता है। हालांकि कड़ाके की ठंड में वूलन स्टोल्स ही आपको गर्माहट देगा। कैजुअल लुक के लिए चैकी व प्लेन स्टोल्स खासतौर से युवतियों को पसंद आ रहे हैं। कॉटन के स्टोल में ब्राइट कलर्स जैसे गोल्डन, ब्लू, ब्राउन और रेड खास हैं। इन दिनों एनिमल प्रिंट और फ्लोरल प्रिंट्र वाले स्टोल ट्रैंड में हैं। एनिमल प्रिंट के स्टोल से बोल्डनैस भी झलकती है और खूबसरती भी। फ्लोरल प्रिंट के स्टोल्स का अंदाज औरों से जुदा ही होता ह। ये कैरी करने में तो अच्छे लगते ही हैं, साथ हीफैमिनिन लुक भी देते हैं। डिजाइनर्स स्टोल्स भी युवतियों को अट्रैक्ट रहे हैं, जिनमें कांथा वर्क, ब्रॉकेट की बॉडर्स फैशन में है। वूलन स्टोल प्योर वूल से बनाई जाती हैं और काफी गर्म होती हैं। इन्हें हर उम्र के लोग इस्तेमाल कर सकते हैं। कश्मीरी स्टोल को कॉटन व वूल को मिलाकर बनाया जाता है। यह युवाओं के लिए खास है। पशमीना स्टोल सबसे सॉफ्ट व हल्की होती है। लाइट वेट होने की वजह से इसे यंगस्टर्स पसंद करते हैं। रॉ सिल्क स्टोल हाथ से बनाए जाते हैं। फैदर स्टोल बेहद फैंसी होती हैं। हैंडलूम स्टोल हाथ से बनती हैं, जो अलग लुक वाली व डिजाइनर होती हैं। ऑक फॉरेस्ट सिल्क स्टोल में सिल्ककी सॉफ्टनैस और वूल की गर्माहट का मिश्रण होता है।

जैकलीन फर्नांडिस

को 'सीता' और महाठग सुकेश चंद्रशेखर ने खुद को बताया 'राम', लेटर में लिखा: जल्द वनवास से लौटूंगा

बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस का नाम महाठग सुकेश चंद्रशेखर के साथ जुड़ चुका है. दोनों की कई तस्वीरें भी सामने आईं थी. सुकेश अक्सर जेल से जैकलीन के नाम पर लेटर लिखता रहता है. दिवाली के खास मौके पर भी एक्ट्रेस के लिए लेटर लिखा है. इस दौरान अपनी लव स्टोरी को रामायण की तरह बताया है.सुकेश चंद्रशेखर ने जैकलीन फर्नांडिस को अपनी 'सीता' बताते हुए जल्द जेल से रिहा होने का वादा भी किया है. इस दौरान म्यूजिक वीडियो 'स्टॉर्मराइडर' को प्रमोट करने वाले जैकलीन फर्नांडिस के फैन्स को 25 थार और 200 IPhone 16 देने का ऐलान किया है.

महाठग सुकेश ने जैकलीन को बताया अपनी सीता

सुकेश चंद्रशेखर ने अपने लेटर में जैकलीन फर्नांडिस के पेरिस ट्रिप का जिक्र भी किया है. इस दौरान जैकलीन के ब्लैक ड्रेस वाले लुक की तारीफ करते हुए बताया कि यह उनका फेवरेट कलर है. एक्ट्रेस को लिखे लेटर में कहा गया कि- यह दिवाली खास महत्व रखती है. बेबी हमारी लव स्टोरी रामायण से कम नहीं है. जैसे मेरे भगवान राम अपनी सीता के साथ वनवास से लौटे थे, ठीक वैसे ही मैं भी अपनी सीता जैकलीन के लिए जेल से लौट रहा हूं...

लेटर में आगे लिखा था कि- लोग उनके रिश्ते को गलत समझते हैं. दुनिया मुझे पागल समझ सकती है, लेकिन हमारे बीच क्या है यह दुनिया कभी नहीं जान सकती. दुनिया को आज के तरीके से बदलने वाले भी क्रेजी लोग ही होते हैं. हमारी लव स्टोरी कल, आज और आने वाले कल मिसाल कायम करेगी. इस दौरान जैकलीन के म्यूजिक वीडियो 'स्टॉर्मराइडर' को सपोर्ट करने वालों के लिए एक अनाउंसमेंट किया. वो कहते हैं कि जो भी उनका साथ देगा, उन्हें 25 महिंद्रा थार और 200 आईफोन 16 प्रो दिए जाएंगे.हालांकि, जैकलीन फर्नांडिस की तरफ से इस मामले में कोई रिएक्शन सामने नहीं आता है. वो इस समय अपनी अपकमिंग फिल्मों की शूटिंग कर रही हैं. वो अक्षय कुमार की 'हाउसफुल 5' में दिखाई देने वाली हैं. इस फिल्म को लेकर फैन्स भी काफी एक्साइटेड हैं. यह पिक्चर साल 2025 में रिलीज होने वाली है. इस फिल्म के पहले से उनके खाते में एक और प्रोजेक्ट है. 'वेलकम टू द जंगल' में भी जल्द दिखाई देंगी.

आपसे इनसिक्योरिटी की बू आती है...कशिश कपूर ने ईशा सिंह पर साधा निशाना

दिग्विजय सिंह राठी के साथ उनकी स्प्लिट्सविला की को-कंटेस्टेंट कशिश कपूर ने भी बिग बॉस 18 के घर में एंट्री की है. ये दोनों सलमान खान के शो में शामिल होने वाले पहले वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट हैं. बिग बॉस के घर में एंट्री करते ही दिग्विजय और कशिश दोनों ने अपना गेम खेलना शुरू कर दिया है. दरअसल जब कशिश कपूर पर तंज कसते हुए ईशा सिंह ने उन्हें कहा कि वो बिग बॉस देखकर आई हैं और इसलिए वो सबके बारे में अपनी जजमेंट दे रही हैं. तब कशिश ने उनपर पलटवार करते हुए कहा कि कम से कम वो ईशा की तरह किसी के पीठ पीछे बात नहीं कर रही हैं.कशिश की बातें सुनकर ईशा गुस्से से तिलमिला गईं और उन्होंने बिग बॉस 18 की इस वाइल्ड कार्ड एंट्री को सुना डाला कि वो बिग बॉस के घर में लोगों के सामने बात करने की भी हिम्मत रखती हैं. लेकिन उनकी बातों को पूरी तरह से नजरअंदाज करते हुए कशिश बोलीं कि ईशा तुम्हें किसी ने ये सच बताने की हिम्मत नहीं की कि तुम बहुत इनसिक्योर हो. तब फिर एक बार ईशा चुप हो गईं. हालांकि वो भी कशिश के सामने हार मानने के लिए तैयार नहीं थीं.

कशिश के साथ बहस में हार गईं ईशा सिंह

ईशा ने कशिश से कहा कि वो नहीं बल्कि कशिश खुद ईशा को लेकर इनसिक्योर हैं. उनकी बात सुनकर हंसते हुए कशिश बोलीं,मैं और तुमसे इनसिक्योर? तुम में आखिर ऐसा क्या है जो मैं तुमसे इनसिक्योर महसूस करू. तुमसे इनसिक्योरिटी की बू आ रही है. जब ईशा को पता चला कि ये सिच्युएशन उनके कंट्रोल से बाहर जा रही हैं तब उन्होंने खुद की तरफ इशारा करते हुए कहा कि ऊपर से लेकर नीचे तक मुझ में सब कुछ है. तब हंसकर कशिश ने कहा कि ये तो अंधों में काना राजा बनने वाली बात हुई, ये बहुत अच्छा है. उनकी ये तीखी बातें सुनकर अविनाश भी इस बहस में कूद गए.

अविनाश की भी लगाई क्लास

जब अविनाश ने कशिश को रोकने की कोशिश की तब कशिश ने उन्हें ये कहते हुए चुप कराया कि आप ये पढ़े-लिखें गंवारों वाली बातें कर रहे हो. अगर आपको मुहावरा भी नहीं पता तो आपको बीच में बात नहीं करनी चाहिए.

रणबीर भटके हैं, रणवीर की परफॉर्मेंस खास नहीं, जब इस साउथ सुपरस्टार ने बॉलीवुड एक्टर्स पर कही ऐसी बात

साउथ सुपरस्टार यश फिल्म इंडस्ट्री का बड़ा चेहरा हैं. केजीएफ फिल्म से वे दुनियाभर में पॉपुलर हो गए हैं. अब एक्टर अपने बॉलीवुड डेब्यू के लिए तैयार हैं. एक्टर पहले भी बॉलीवुड पर और फिल्म इंडस्ट्री के एक्टर्स पर बातें कर चुके हैं. उनका एक पुराना इंटरव्यू वायरल हो रहा है जिसमें वे बॉलीवुड के दो बड़े एक्टर्स के बारे में बातें करते नजर आ रहे हैं. एक्टर का ये वीडियो 6 साल पुराना है. इसमें वे तब तक बॉलीवुड में एस्टेब्लिश्ड हो चुके एक्टर रणवीर सिंह और रणबीर कपूर के क्राफ्ट पर बात करते नजर आ रहे हैं.

रणवीर सिंह के बारे में क्या है यश की राय

बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह के बारे में बात करते हुए साउथ सुपरस्टार यश ने कहा- शुरुआत में मुझे रणवीर सिंह का काम बहुत पसंद नहीं आता था. लेकिन मुझे ये समझ में नहीं आता था कि वे फिल्मों में इतना अच्छा कैसे नजर आते हैं. जब उनकी फिल्म बाजीराव मस्तानी रिलीज हुई उसके बाद से उनको लेकर मेरी राय पूरी तरह से बदल गई और मुझे वे पसंद आने लग गए. और इसके बाद तो पद्मावत फिल्म में उन्होंने कमाल ही कर दिया. वे उस फिल्म में अद्भुत थे.

रणबीर कपूर के बारे में क्या है यश की राय

सिर्फ रणवीर सिंह ही नहीं बल्कि साउथ सुपरस्टार यश ने तो बॉलीवुड एक्टर और कपूर खानदान के ताल्लुक रखने वाले रणबीर कपूर के बारे में भी बातें की. उन्होंने बताया कि आखिर किस तरह से एक्टर शुरुआत में अपने रोल्स और क्राफ्ट को लेकर भटक गए थे और उनकी परफॉर्मेंस भ्रमित नजर आती थी. लेकिन एक्टर ने जब संजय लीला भंसाली के साथ कोलाबोरेट किया उसके बाद से एक्टर की परफॉर्मेंस में निखार आ गया. संजू फिल्म में वे बहुत अच्छे थे. मैंने उनका और भी काम देखा है. वे काफी अच्छे हैं.

अब फिल्म में साथ दिखेंगे यश-रणबीर

साउथ सुपरस्टार यश की बात करें तो उन्होंने ये भी बताया कि इन सबके इतर वे अमिताभ बच्चन और शाहरुख खान से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं और उन्हें अपना ऑल टाइम फेवरेट मानते हैं. एक्टर ने ये भी कहा कि करियर के इन सालों में उन्होंने कई बॉलीवुड सेलेब्स के साथ अच्छे टर्म्स बनाए हैं. वर्क फ्रंट की बात करें तो एक्टर अब टॉक्सिक फिल्म में नजर आएंगे. इसके अलावा वे रणबीर कपूर के अपोजिट फिल्म रामायण का भी हिस्सा होंगे. इस फिल्म की खास बात ये है कि एक्टर इसमें लीड विलेन के रोल में होंगे. फिल्म का निर्देशन नितेश तिवारी कर रहे हैं.

दिशा पाटनी

सिद्धांत चतुर्वेदी के हाथ लगी बड़ी फिल्म, मुंज्या, स्त्री 2 और भूल भुलैया 3 के बाद बन रही एक और हॉरर-कॉमेडी

हॉरर-कॉमेडी की फिल्मों के लिए लगता है ये सुनहरा दौर है. पहले मुंज्या फिर स्त्री 2 और अब भूल भुलैया 3. इस साल आई हॉरर-कॉमेडी जॉनरा की इन तीन फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर जमकर पैसे कमाए. शायद यही वजह है कि और फिल्मकार भी इस जॉनरा में हाथ आजमाने को मजबूर हो जा रहे हैं. इसी जॉनरा पर अब मिलाप जावेरी एक फिल्म बना रहे हैं, जिसमें सिद्धांत चतुर्वेदी और दिशा पाटनी को लिया गया है.

बॉलीवुड हंगामा ने सोर्स के हवाले से अपनी एक रिपोर्ट में बताया है, सिद्धांत चतुर्वेदी को इस फिल्म में लिया गया है. ये एक युथ सेंट्रिक हॉरर और कॉमेडी फिल्म होगी. फिल्म में फीमेल लीड के तौर पर दिशा पाटनी को कास्ट किए जाने की उम्मीद है. दोनों ही सितारे काफी एक्साइटेड हैं, क्योंकि ये फिल्म एक मजेदार हॉरर कॉमेडी है और इस थीम पर बनाई गई बाकी फिल्मों से अलग है.

पहली बार बनाएंगे हॉरर-कॉमडी फिल्म

रिपोर्ट में बताया गया है कि इस फिल्म का निर्देशन मिलाप जावेरी करेंगे. वो पहली बार किसी हॉरर-कॉमेडी फिल्म का डायरेक्शन करने वाले हैं इसको लेकर वो काफी उत्सुक हैं. सोर्स का कहना है कि मिलाप बड़ा सोचते हैं और वो ये भरोसा दिलाया है कि वो इस फिल्म में कमर्शियल इलेमेंट डालेंगे ताकी फिल्म ज्यादा दर्शकों तक पहुंच पाए. इस हॉरर कॉमेडी फिल्म को अश्विन वर्दे और सुभाष काले मिलकर प्रोड्यूस करेंगे. फिल्म की शूटिंग 2025 की शुरुआत में शुरू हो सकती है.

इन फिल्मों में भी दिखेंगे सिद्धांत चतुर्वेदी

कुछ वक्त पहले ही रिपोर्ट्स में बताया गया था कि सिद्धांत चतुर्वेदी को विकास बहल की फिल्म में कास्ट किया गया है. ये एक फ्यूचरिस्टिक साइंस फिक्शन फिल्म होगी. फिल्म में उनके साथ वामिका गब्बी और जया बच्चन जैसे सितारे भी नजर आएंगे. इसके अलावा वो एक कॉमेडी फिल्म में भी दिखेंगे, जिसमें उनके साथ श्रीलीला और नोरा फतेही.

छात्रवृत्ति एवं आवास सहायता के प्रकरणों का निराकरण करने के निर्देश

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के छात्रों के छात्रवृत्ति एवं आवास सहायता के लंबित प्रकरणों का तत्काल निराकरण करने के निर्देश आयुक्त द्वारा दिये गये है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024-25 के छात्रवृत्ति एवं आवास सहायता के लिये पोर्टल शीघ्र ही खुलेगा। जिसमें लंबित प्रकरणों का निराकरण कराया जाना सुनिश्चित करें। संयुक्त कलेक्टर पी.के. पाण्डेय ने बताया कि जिले में वर्ष 2022-23 एवं वर्ष 2023-24 में अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों के 585 आवेदन तथा वर्ष 2022-23 में अनुसूचित जनजाति वर्ग के 85 आवेदन लंबित हैं जिन्हें शीघ्र निराकरण किया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा है कि आवेदन लंबित रहने पर संबंधित संस्था प्रमुख जिम्मेदार होंगे। उन्होंने कहा कि पूर्व वर्ष एवं वर्तमान सत्र के कोई भी प्रकरण लंबित नहीं रहे यदि किसी भी संस्था में प्रकरण बिना उचित कारण के लंबित रहता है तो प्राचार्य के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही हेतु वरिष्ठ कार्यालय को प्रेषित किया जायेगा।

लोक कल्याण - जनसमस्या निवारण शिविर सम्पन्न आमजनों की समस्याओं का हुआ समाधान

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। शासन की योजनाओं का लाभ प्रदाय करने के उद्देश्य से आयोजित लोक कल्याण जन समस्या निवारण शिविर में आमजनों की समस्याओं का निराकरण किया गया। मुख्य सचिव के निर्देश पर कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल के मार्गदर्शन में रायपुर कर्चुलियान तहसील अन्तर्गत चोरगढ़ी ग्राम पंचायत में आयोजित शिविर में विभिन्न 14 से अधिक विभागों ने संबंधित समस्याओं का समाधान किया। शिविर में गुढ़ विधायक नागेन्द्र सिंह ने कहा कि शासन द्वारा ग्राम पंचायतों में मौके पर ही योजनाओं का लाभ लेने के लिए आयोजित हो रहा शिविर लाभप्रद होगा। इस शिविर के माध्यम से ग्राम पंचायत व इसके आसपास के ग्रामीण अंचल के व्यक्ति अपनी समस्याओं का निराकरण करा पायेंगे तथा एक ही स्थान में सभी विभागीय अधिकारी उपस्थित रहकर विभागीय समस्याओं की

संतुष्टिपूर्वक निराकरण भी करेंगे। उन्होंने विभिन्न विभागों के स्टाल में पहुंचकर प्राप्त आवेदनों की जानकारी प्राप्त की। शिविर में प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये कि प्राप्त आवेदनों का समय सीमा में निराकरण किया जाना सुनिश्चित करें तथा ऐसे आवेदन जिन्हें मौके पर ही निराकृत किया जा सकता है। उनका तत्काल निराकरण करें। शिविर में एसडीएम गुढ़ डॉ. अनुराग तिवारी, एसडीएम पीएस त्रिपाठी सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। जन समस्या निवारण शिविर में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 77 आवेदन पत्र प्राप्त हुये। जिनमें से 23 आवेदन पत्रों का मौके पर निराकरण किया गया तथा शेष 54 आवेदन पत्रों को संबंधित विभागों को शीघ्र निराकरण के लिए प्रेषित किया गया। शिविर में पंचायत विभाग के 34, सामाजिक न्याय विभाग, लोक कल्याण विभाग, मत्स्य विभाग तथा सहकारिता विभाग के एक-एक, राजस्व विभाग के 13, स्वास्थ्य विभाग तथा विद्युत विभाग के दो-दो, ग्रामीण विकास विभाग के 6, जल निगम विभाग के 3, प्रधानमंत्री आवास योजना के 4, तथा खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के 9 आवेदन पत्र प्राप्त हुये।

रीवा शहर में 12 स्थानों पर बनाए जा रहे हैं आयुष्मान कार्ड

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। शासन के निर्देशों के अनुसार 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं। इसके लिए शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में शिविर लगाए जा रहे हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजीव शुक्ला ने बताया कि रीवा शहर में सभी प्रमुख अस्पतालों के साथ-साथ 12 स्थानों में शिविर लगाकर 11 नवम्बर तक आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं। इनमें अपने आधार कार्ड, समग्र आईडी के साथ 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी व्यक्ति अपने आयुष्मान कार्ड निःशुल्क बनवा सकते हैं। आयुष्मान कार्ड से एक साल में पाँच लाख रुपए तक की उपचार सहायता दी जाती है।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि रीवा शहर में संजीवनी क्लीनिक चोरहटा, ढेकहा, कुठुलिया, रतहरी, रानी तालाब तथा संजीवनी क्लीनिक विश्वविद्यालय में शिविर लगाए जा रहे हैं। इसी तरह शिविर में संजीवनी क्लीनिक चिरहुला कालोनी प्रधानमंत्री आवास, चिरहुला मंदिर पार्किंग, जोनल कार्यालय चिरहुला, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र खैरी नई बस्ती में भी शिविर लगाए जा रहे हैं। शहर में ही शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र रतहरा तथा बोदाबाग में भी आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं। पात्र हितग्राही इन शिविरों से लाभ उठाकर अपने आयुष्मान कार्ड बनाकर पाँच लाख रुपए तक के निःशुल्क उपचार का लाभ उठाएं।

सीतापुर-हनुमना सिंचाई परियोजना से 653 गांवों के किसान होंगे लाभान्वित

सिंचाई परियोजना शुरू करने के लिए आवश्यक अनुमति से जारी कराएं - उप मुख्यमंत्री

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने विन्ध्य की महत्वकांक्षी सीतापुर-हनुमना माइक्रो सिंचाई परियोजना की समीक्षा की। इसके लिए शासन द्वारा 4167.93 करोड़ रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई है। परियोजना निर्माण के लिए निर्माण एजेंसी से 3700.89 करोड़ का अनुबंध हो गया है। बैठक में उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि सीतापुर-हनुमना सिंचाई परियोजना से मऊगंज, सीधी और सिंगरौली जिले के किसानों की तकदीर और खेती की तस्वीर बदल जाएगी। इस परियोजना से 653 गांवों में एक लाख 20 हजार हेक्टेयर में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होगी। परियोजना का निर्माण कार्य समय पर शुरू कराने के लिए राजस्व, वन तथा जल संसाधन विभाग समन्वय से प्रयास करके आवश्यक स्वीकृति जारी कराएं।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि परियोजना का बांध सीधी जिले में अमिलिया के पास सोन नदी में प्रस्तावित किया गया है। यह क्षेत्र सोन घड़ियाल अभ्यारण्य में स्थित है। निर्माण कार्यों के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति, वन्यजीव संरक्षण संबंधी स्वीकृति तथा अन्य स्वीकृति आवश्यक होंगी। इसके लिए जल संसाधन विभाग ऑनलाइन आवेदन कर दे। वन विभाग के अधिकारियों के सहयोग से जल संसाधन विभाग परियोजना की मंजूरी के लिए प्रोजेक्ट तैयार कर लें। इसके लिए विशेषज्ञ की भी सलाह ले सकते हैं। इस सिंचाई परियोजना से लाखों किसानों को लाभ मिलेगा। घड़ियाल के संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए बांध का निर्माण कराएं, जिससे विकास के कार्यों के साथ वन्य जीवों के संरक्षण में भी किसी तरह का प्रभाव न पड़े।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बहुती सिंचाई परियोजना के शेष निर्माण कार्य को पूरा करके किसानों को दिसम्बर माह तक सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध करा दें। नहरों की साफ-सफाई और मरम्मत का कार्य एक माह में पूरा कराएं। अधूरे निर्माण कार्य 30 नवम्बर तक पूरा कराकर दिसम्बर माह में नईगढ़ी एक परियोजना में सात हजार हेक्टेयर में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराएं।

बैठक में मुख्य अभियंता जल संसाधन ने बताया कि सीतापुर-हनुमना सिंचाई परियोजना में सोन नदी पर 268.90 एमसीएम क्षमता का बांध बनाया जाएगा। इससे सोन घड़ियाल के बेसिन में 2000 हेक्टेयर जमीन, 1290 हेक्टेयर निजी भूमि तथा 15 हेक्टेयर वन भूमि डूब क्षेत्र में आएगी। बांध से रीवा जिले के 11 गांवों में 3000 हेक्टेयर, मऊगंज में 399 गांवों में 62500 हेक्टेयर, सीधी जिले में 140 गांवों में 26500 हेक्टेयर तथा सिंगरौली जिले के 103 गांवों में 28000 हेक्टेयर में सिंचाई की सुविधा मिलेगी। बैठक में क्षेत्र संचालक संजय टाइगर रिजर्व अमित दुबे ने कहा कि प्रस्तावित बांध सोन नदी पर बनाया जा रहा है। सोन नदी पर पूर्व से ही बाणसागर बांध निर्मित है, जिसके पानी के उपयोग के लिए मध्यप्रदेश सहित तीन राज्यों के बीच में समझौता है। प्रस्तावित बांध सोन घड़ियाल अभ्यारण्य में स्थित है। इसके निर्माण के लिए राज्य और केन्द्र शासन तक प्रस्ताव भेजने होंगे। घड़ियालों के संरक्षण को ध्यान में रखकर ही कार्ययोजना बनानी होगी। बैठक में कमिश्नर रीवा संभाग बीएस जामोद, आईजी एमएस सिकरवार, कलेक्टर रीवा श्रीमती प्रतिभा पाल, कलेक्टर मऊगंज अजय श्रीवास्तव, एडीएम मैहर शैलेन्द्र सिंह, मुख्य अभियंता जल संसाधन एके डेहरिया, कार्यपालन यंत्री विनोद ओझा, कार्यपालन यंत्री बीपी मिश्रा, कार्यपालन यंत्री अमरदीप त्रिपाठी तथा जल संसाधन विभाग के अधिकारी एवं निर्माण एजेंसी के कंसल्टेन्ट सेवानिवृत्त सीएफ एसपीएस तिवारी उपस्थित रहे।

बाल विवाह होने पर दो साल की सजा और एक लाख रुपए का होगा जुर्माना

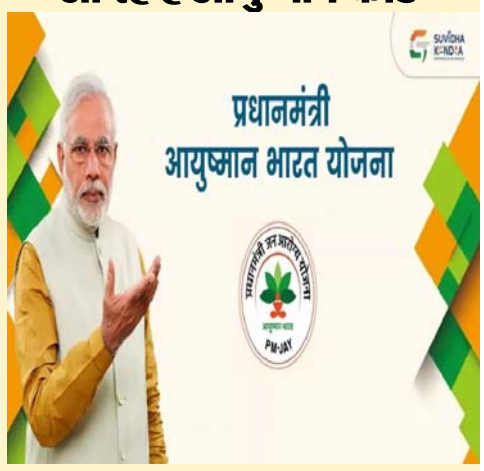

रीवा। बाल विवाह सामाजिक कुरीति के साथ कानूनी रूप से अपराध है। विवाह के लिए कन्या की आयु 18 वर्ष से अधिक तथा वर की आयु 21 वर्ष से अधिक होना आवश्यक है। इस निर्धारित आयु से कम आयु के कन्या तथा वर का विवाह कानूनन अपराध है। इस तरह का बाल विवाह करने वाले और उसे संपन्न कराने वाले को दो वर्ष तक की सजा तथा एक लाख रुपए का जुर्माना हो सकता है। इस संबंध में जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग श्रीमती प्रतिभा पाण्डेय ने बताया कि सभी माता-पिता अपने बेटे और बेटी का विवाह उचित आयु में करें। आगामी 11 एवं 12 नवम्बर को देवउठनी एकादशी के अवसर पर होने वाले विवाह में प्रशासन की क?ी नजर है। उन्होंने बताया कि कम आयु में बेटी शारीरिक और मानसिक रूप से विवाह के योग्य नहीं होती है। बाल विवाह गंभीर सामाजिक कुरीति है। इसे रोकने के लिए बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 लागू किया गया है। इसके तहत बाल विवाह से पी?ितों को सुरक्षा और राहत प्रदान करने के साथ-साथ बाल विवाह को प्रोत्साहित करने एवं उसे संपन्न कराने वालों पर कठोर दण्ड का प्रावधान है। जिसमें दो वर्ष की जेल तथा एक लाख रुपए तक का जुर्माना हो सकता है। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने आमजनता से अपील करते हुए कहा है कि समाज में अब बाल विवाह की घटनाएं लगभग न के बराबर होती हैं। लेकिन यदि कहीं पर भी बाल विवाह संपन्न कराने का प्रयास किया जा रहा है तो आमजन तत्काल महिला एवं बाल विकास विभाग अथवा पुलिस थाने को इसकी सूचना दें। विवाह संपन्न कराने वाले धर्मगुरू तथा विवाह से संबंधित व्यवस्थाओं जैसे बारातघर, हलवाई, विवाह घर संचालक, बैण्डबाजे वाले आदि बाल विवाह होने पर तत्काल सूचना दें। बाल विवाह को रोकने के लिए जिले भर में एसडीएम की अध्यक्षता में उ?नदस्ते गठित किए गए हैं। बाल विवाह को रोकने के लिए जिला स्तरीय कंट्रोल रूम बनाया गया है। इसका प्रभारी सहायक संचालक अनिल जैन को बनाया गया है। उनका मोबाइल नम्बर 9406935085, 9425946797, 9752408448 है। बाल विवाह की शिकायत चाइल्ड लाइन के टोल फ्री नम्बर 1098 पर भी की जा सकती है।

पेंशनर्स महासंघ ने जीवन प्रमाण पत्र बैंक में जमा करने में हो रही दिक्कतों को बैंक प्रशासन को कराया अवगत .

आधार एवम पेन कार्ड को बैंक खाते से लिंक कराने संबंधी जानकारी का व्यापक प्रचार प्रसार न होने का खामियाजा भुगत रहे बेकसूर पेंशनर

आयकर विभाग द्वारा 20 राशि के रूप में प्रत्येक माह काटी जा रही ह

जगदलपुर – भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ बस्तर संभाग की ओर से पेंशनर्स साथियों को बैंकों में जीवन प्रमाण पत्र जमा करने में हो रही दिक्कतों को दृष्टिगत रखते हुए उनको सुविधा दिलाने के मकसद से आज संभागीय अध्यक्ष राम नारायण ताटी के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल द्वारा स्थानीय बैंकों में पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया गया एवम बैंक प्रशासन का ध्यान पेंशनरों की परेशानी की ओर आकृष्ट किया गया । इस अवसर पर संभागीय अध्यक्ष ताटी ने कहा कि पेंशनरों की सुविधा के लिए भारतीय स्टेट बैंक की शाखाओं क्रमशः कलेक्ट्रेट ब्रांच, मेन ब्रांच , ष्ठ क्कबैंक धरमपुरा ,एवम सेंट्रल बैंक से जीवन प्रमाण पत्र भरने हेतु निर्धारित प्रपत्र प्राप्त कर लिया गया है । दिनांक 06,11,2024 को अभियंता भवन बोधघाट चौक में अपरान्ह 3,30 बजे संगठन की बैठक आहूत की गई है । उक्त बैठक में संगठन के पदाधिकारियों के द्वारा जीवन प्रमाण पत्र भरने में पेंशनर साथियों को सहयोग प्रदान किया जावेगा ।श्री ताटी ने पेंशनर साथियों एवम मातृ शक्ति से आग्रह किया है कि उक्त बैठक में अधिक से अधिक संख्या में पेंशनर साथी उपस्थित होवें ताकि जिन साथियों का जीवन प्रमाण पत्र बैंक में अभी तक जमा नही हो पाया है उन्हे लाभ मिल सके । श्री ताटी ने अशक्त पेंशनरों को जो कि बैंक तक जाने में असमर्थ हैं उन्हें भी संगठन की ओर से मदद करने का भरोसा दिलाते हुए कहा कि बशर्ते ऐसे पेंशनर्स का नाम किसी भी माध्यम से संगठन के संज्ञान में लाया जावे।

ताटी ने कहा कि संगठन को यह भी ज्ञात हुआ है कि बहुत सारे पेंशनर साथियों के पेंशन से आयकर विभाग की ओर से विगत दो माह से कटौती किया जा रहा है।

ताटी ने कहा निःसंदेह विभागीय त्रुटि का खामियाजा बेकसूर पेंशनर भुगत रहे हैं । यदि बैंक खाते को आधार कार्ड एवम पेन कार्ड से लिंक कराने वाली बात का व्यापक प्रचार प्रसार किया गया होता तो आज ऐसी स्थिति का सामना पेंशनरों को नहीं करना पड़ता ।

संगठन का प्रतिनिधि मंडल बैंक पहुंचकर प्रबंधक से श्रीमती करमजीत कौर का निरंतर विगत दो माह से कटने संबंधी मामले पर चर्चा किया गया। प्रबंधक ने कहा कार्यवाही प्रक्रियाधीन है बहुत जल्दी मैडम को राहत मिलेगा।प्रतिनिधि मंडल कलेक्ट्रेट बैंक में पहुंचकर प्रबंधक श्री मनीष कुमार कुशरो से भेंट कर बैंक में पेंशनरों को अत्यधिक भीड़ के कारण जीवन प्रमाण पत्र जमा करने में हो रही परेशानी की ओर उनका ध्यान आकृष्ट करते हुएआगामी 15 नवंबर तक पेंशनरों के लिए पृथक काउंटर खोलने का मांग किया गया इस पर उन्होंने सहमति देते हुए तत्काल व्यवस्था दुरुस्त करने का भरोसा संगठन को दिलाया ।

इस अवसर पर जब संगठन द्वारा श्रीमती निशा सोमा मैडम का भी विगत दो माह से कटने की ओर उनका ध्यान आकर्षित किया गया । तब उन्होंने आधार और पैन कार्ड बैंक खाते से लिंक न होने की बात कही और तत्काल च्वाइस सेंटर से लिंक कराने के बाद कृत कार्यवाही से बैंक को अवगत कराने का सुझाव दिया ।ताकि बैंक खाते को अपडेट किया जा सके । इस मौके पर श्री ताटी ने बस्तर संभाग के समस्त पेंशनरों का ध्यान आकृष्ट करते हुए कहा कि अभी तक जिन साथियों ने जानकारी के अभाव में अपने बैंक खाते को आधार एवम पैन कार्ड से लिंक नही कराया है वे भविष्य में होने वाली परेशानी से बचने के लिए च्वाइस सेंटर में लिंक कराने के बाद इसकी जानकारी संबंधित बैंक को जरूर देवें ।जो साथी आयकर रिटर्न नहीं भर रहे हैं उनसे आग्रह है कि प्रत्येक वर्ष आयकर रिटर्न अनिवार्य रूप से दाखिल करें चाहे वो आयकर के दायरे में आएं अथवा नहीं इस अवसर पर संगठन की ओर से मिलने वालों में आर एन ताटी , शिव प्रताप सिंह ठाकुर , एम डी राठौर ,अमृत राव कुडिकल एवम करम जीत कौर शामिल हैं ।

कमिश्नर और कलेक्टर ने दी स्काउट दिवस की शुभकामनाएँ

स्काउट दिवस पर कमिश्नर और कलेक्टर को लगाया गया स्काउट बैज

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। भारत स्काउट एवं गाइड का स्थापना दिवस 7 नवम्बर को जिले भर में मनाया गया। इस अवसर पर कमिश्नर बीएस जामोद को स्काउट संगठन के पदाधिकारियों ने स्थापना दिवस बैज लगाया। कमिश्नर श्री जामोद ने पदाधिकारियों को 26 नवम्बर से 30 नवम्बर तक आयोजित की जाने वाली संभागीय स्काउट गाइड रैली की शुभकामनाएँ दी तथा इसके शुभंकर का विमोचन किया। स्काउट एवं गाइड संघ के पदाधिकारियों ने कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल को भी स्थापना दिवस के बैज लगाए। कलेक्टर ने सभी को स्काउट स्थापना दिवस की शुभकामना दी। इस क्रम में स्काउट एवं गाइड संघ के पदाधिकारियों ने अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी, संयुक्त कलेक्टर पीके पाण्डेय, डीपीसी आरएल दीपांकर को भी स्थापना दिवस के बैज लगाए। इस अवसर पर भारत स्काउट एवं गाइड के राज्य संगठन आयुक्त रीवा संभाग बीपी मिश्रा, जिला स्काउट संघ के पदाधिकारी महेन्द्र श्रीवास्तव, हरिनारायण त्रिपाठी, रामसूरत शर्मा, नरेन्द्र सिंह बघेल, सचिव बीपी त्रिपाठी, पवन पाण्डेय, बेलाकली रावत, सविता तिवारी एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कांग्रेस प्रत्याशी के पक्ष में प्रचार में जुटे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पूर्व विधायक जैन कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ रायपुर दक्षिण सीट पर डटे

दैनिक प्रगतिशील हिंदुस्तान समाचार
रविन्द्र दास संभाग प्रमुख

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज जगदलपुर के पूर्व विधायक रेखचंद जैन व अन्य कांग्रेस नेताओं के साथ कांग्रेस प्रत्याशी के पक्ष में प्रचार में जुट गए हैं। मंगलवार को स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड क्रमांक 45 में डोर टू डोर जाकर मतदाताओं से रायपुर दक्षिण सीट के कांग्रेस उम्मीदवार आकाश शर्मा के पक्ष में मतदान करने की अपील की। श्री बैज ने छत्तीसगढ में मोदी की गारंटी फेल होने, बिग?ती कानून- व्यवस्था की स्थिति आदि पर राज्य सरकार को जमकर लता?ा। समाज के सभी वर्गों के राज्य की भाजपा सरकार से नाराज होने की बात भी श्री बैज ने कही। वहीं श्री जैन ने कांग्रेस शासनकाल में हुए विभिन्न विकास कार्यों का उल्लेख करते भाजपा शासन की नाकामी, वादाखिलाफी व विफलताओं को भी गिनाया। प्रचार के दौरान श्री बैज के साथ पूर्व मंत्री अमितेश शुक्ल, पूर्व विधायक रेखचंद जैन, कुलदीप जुनेजा, संगीता सिन्हा, गुलाब केमरो, मोहित केरकेट्टा, वरिष्ठ नेता सुरेश ठाकुर, दिनेश ठाकुर, विनोद तिवारी, सद्दाम सोलंकी, कन्हैया अग्रवाल, महेंद्र कोचर, महावीर मालू, जावेद खान, मो सिद्दीकी, शंकर राव, लोकेश चौधरी, दुशाल काले, नसीम मनिहार, आरिफ रजा, फैयाज भाई आदि मौजूद रहे।

राज्यमंत्री पुत्र पर बन्दूक से फायर झोंकने का आरोप पीड़ित पक्ष ने कोतवाली पुलिस को दी तहरीर

अनुज सिंह ठाकुर ब्यूरो रिपोर्ट पुष्पांजलि टुडे

ललितपुरललितपुर। कस्बा जाखलौन व शहर क्षेत्र के मोहल्ला तालाबपुरा निवासी प्रमेन्द्र सिंह पुत्र स्व.इन्द्रपाल सिंह बुन्देला ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर बताया कि बीती रात उसके पुत्र व ड्राईवर पर जान से मारने की नीयत से राज्यमंत्री पुत्र द्वारा कट्टा से फायर झोंक दिया गया। तहरीर में प्रमेन्द्र सिंह बुन्देला ने बताया कि उनका पुत्र युवराज सिंह एवं ड्राईवर जाखलौन निवासी रिशु पुत्र गोकुल रात करीब 8.40 बजे चांदमारी स्थित अरिहन्त भोजनालय से खाना पैक कराकर अपनी कार संख्या एम.पी.04 सी.क्यू. 1355 से लौट रहा था। बताया कि वह होटल कैलाश रेजीडेंसी के सामने वाली गली से कार में सवार होकर लौट रहा था, तभी चांदमारी निवासी राज्यमंत्री के पुत्र नरेश पंथ ने उनकी कार को रोक लिया। आरोप है कि राज्यमंत्री पुत्र ने कार से निकलकर उसके पुत्र की गलेबान पकड़ ली और बाहर खींचने लगा। इसी बीच जब ड्राईवर ने बाहर निकलकर बचाव का प्रयास किया तो उसके सिर व कंधे पर बंदूक की बट से प्रहार कर दिया। तब ड्राईवर ने कार पीछे हटायी। आरोप है कि इसी बीच राज्यमंत्री पुत्र ने कार के कांच पर बट से प्रहार कर दिया, जिससे कांच टूट गया। गंभीर आरोप लगाते हुये बताया कि मंत्री पुत्र ने जान से मारने की धमकी देते हुये युवराज व ड्राईवर पर फायर झोंक दिया, जिसमें वह बाल-बाल बच गये। किसी तरह ड्राईवर ने उन्हें फोन पर सूचना दी, जिस पर वह परिजनों के साथ मौके पर जा पहुंचा, जहां से मंत्री पुत्र घटना को अंजाम देकर फरार हो गया। प्रमेन्द्र सिंह की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने नरेश पंथ के खिलाफ बीएनएस की धारा 127 (2), 115 (2), 324 (2) व 351 (3) के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी

बसपा के पूर्व जिलाध्यक्ष की माताजी की प्रथम पुण्यतिथि मनायी

अनुज सिंह ठाकुर ब्यूरो रिपोर्ट पुष्पांजलि टुडे ललितपुर

ललितपुर। बहुजन समाज पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष दीपक कुमार अहिरवार की पूज्यनीय माताजी स्व.जसोदाबाई की प्रथम पुण्यतिथि गुरूवार को जिला अस्पताल परिसर स्थित अन्नपूर्णा भोजनशाला में मनायी गयी। इस दौरान स्व.जसोदाबाई के चित्र सम्मुख लोगों ने पुष्प अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं दूसरी ओर अस्पताल में आने वाले तीमारदारों व जरूरतमंदों को भोजन कराया गया। इस दौरान बसपा के पूर्व जिलाध्यक्ष दीपक अहिरवार के पिता कल्लू अहिरवार ने अपनी बात रखते हुये कहा कि जीवन संघर्ष में श्रीमती जसोदाबाई उनके साथ रहीं। दीपक अहिरवार ने कहा कि उनकी माताजी एक कुशल गृहणी थी, जिनकी शिक्षा व संस्कार पाकर वह जीवन में आगे बढ़े हैं। इस दौरान कल्लू अहिरवार टिकरा तिवारी, जितेंद्र कुमार अहिरवार, विनोद कुमार अहिरवार, धनीराम अहिरवार, भागीरथ अहिरवार, राजेश अहिरवार, मूलचंद अहिरवार, तुलसीराम अहिरवार, पं.प्रमोद तिवारी एवं कुसुम देवी, रामकुंवर, प्रशंसा, अमित कुमार, सुमित कुमार, अनुज कुमार, अभय कुमार आदि समस्त परिवार सहित उपस्थित रहे।

बुलैरो ने टैक्सी में मारी टक्कर, शिक्षिका घायल

ललितपुर। कोतवाली क्षेत्रांतर्गत ग्राम महरौनी खुर्द निवासी रविन्द्र पुत्र बृजभान सिंह ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि बीती 6 नवम्बर को अपराह्न करीब 3.30 बजे वह अपनी टैक्सी संख्या यू.पी.94 टी 3976 से ग्राम बकतर से स्कूल की शिक्षिका को लेकर ललितपुर की ओर आ रहा था। तभी महरौनी खुर्द से बकतर के मध्य तिराहा पर सामने से आ रही बुलैरो संख्या यू.पी.94 ए.वाई.5802 ने उसकी टैक्सी में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे टैक्सी में सवार स्कूल की शिक्षिका व एक सवारी समेत वह घायल हो गया। घटना स्थल से पुलिस को सूचना देने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों को उपचार के लिए एम्ब्युलेंस के जरिए अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर बुलेरो चालक पर मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

जागरूकता अभियान के साथ हुये वाहनों के चालान

ललितपुर। पुलिस अधीक्षक मो.मुश्ताक के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार व क्षेत्राधिकारी यातायात अजय कुमार के निकट पर्यवेक्षण में प्रभारी यातायात आलोक कुमार तिवारी एवं टीम द्वारा चौराहों पर आम जनमानस को यातायात नियमों यथा- दो पहिया वाहन चलाते समय सदैव हेलमेट का प्रयोग, चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग, सडड़ पर वाहन चलाते समय स्टंट/खतरनाक ड्राइविंग न करने, दुर्घटना में घायल व्यक्ति की तुरंत मदद करने, नशे की हालत में वाहन न चलाने,लेन ड्राइविंग, गोल्डन हॉवर आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई और पम्पलेट, स्टिकर वितरित किया गया। साथ ही प्रवर्तन की कार्यवाही के अंतर्गत 198 वाहनों का एम.वी. एक्ट की विभिन्न धाराओं में चालान करते हुए 03 वाहनों को सीज किया गया।

ऑनलाइन होगी गृहकर की वसूली, अधिशासी अधिकारियों को शत-प्रतिशत रजिस्ट्रेशन के निर्देश

आवासीय कालोनियों में अवैध रूप से निवासरत व्यक्तियों को चिन्हित करने के निर्देश प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) में धनराशि मिलने के बाद भी निर्माण न कराने वालों से होगी रिकवरी

अनुज सिंह ठाकुर ब्यूरो रिपोर्ट पुष्पांजलि टुडे

ललितपुरललितपुर। जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने जनपद की नगर पालिका एवं नगर पंचायतों में गृहकर की वसूली एवं नगर विकास से संबंधित अन्य योजनाओं की समीक्षा हेतु कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक की। बैठक में जिलाधिकारी ने नगर क्षेत्र में कुल गृहों/भवनों के सापेक्ष गृह कर पंजीयन एवं पंजीयन से छूटे मकानों की समीक्षा करते हुए अधिशासी अधिकारियों को निर्देशित किया कि गृहकर वसूली हेतु ऑनलाइन माध्यमों का अधिक से अधिक प्रयोग किया जाए, लोगों को उनके मोबाइल नंबर पर ही गृह कर का बिल भेजा जाए। इसके लिए सफाई कर्मचारियों के माध्यम से प्रत्येक वार्ड के प्रत्येक घर से एक मोबाइल नंबर प्राप्त करें, जिसे रजिस्टर्ड कर मैसेज के माध्यम से बिल भेजा जाए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि नगर क्षेत्र में निवास करने वाले प्रत्येक परिवार से गृहकर लिया जाएगा, इसके लिए शत प्रतिशत परिवारों का रजिस्ट्रेशन करना सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि सर्दी के मौसम की दृष्टिगत नगर पालिका एवं नगर पंचायत के माध्यम से कंबलों का क्रय कर लिया जाए। नगरी पेयजल आपूर्ति के संबंध में उन्होंने कहा कि पार्षदों के साथ एक बैठक कर वार्डों में पेयजल आपूर्ति के संबंध में प्रस्ताव प्राप्त किए जाएं, साथ ही अमृत योजना अंतर्गत गोविंद सागर बांध पर निर्मित इंटेक वेल का कार्य शीघ्र पूर्ण किया जाए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि डोर टू डोर कचरा कलेक्शन हेतु नई गाडड़ियां नगर पालिका को प्राप्त हो चुकी है जिनका संचालन जल्द शुरू किया जाए, इसके लिए स्पेशल बोर्ड बैठक बुलाकर आवश्यकता अनुसार कार्मिकों की तैनाती की जाए। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि धनराशि मिलने के बाद भी जिन लाभार्थियों ने आवास का निर्माण नहीं कराया गया है उनका चिन्हांकन कर उनसे संपर्क करें और यदि फिर भी आवास का निर्माण नहीं करते हैं तो रिकवरी की कार्रवाई करें। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिए की जनपद में पूर्व से निर्मित आवासीय कॉलोनीयों का सर्वे कराया जाए, साथ ही उनमें अवैध रूप से निवासरत व्यक्तियों को चिन्हित किया जाए। बैठक में एडीएम वित्त एवं राजस्व अंकुर श्रीवास्तव, एडीएम नमामि गंगे राजेश कुमार श्रीवास्तव, अधिशासी अभियंता जल निगम, ईओ दिनेश विश्वकर्मा, समस्त ईओ नगर पंचायत, परियोजना प्रबंधक डूडा एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

आईजीआरएस में ललितपुर पुलिस को मिला प्रथम स्थान थानों की रैंकिंग में भी जनपद के सभी 16 थानों को मिला प्रथम स्थान

ललितपुर। मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप जनशिकायतों के उचित, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण हेतु की जा रही कार्यवाही के क्रम में पुलिस अधीक्षक मो.मुश्ताक के निर्देशन में ऑनलाइन शिकायत पोर्टल, समन्वित शिकायत निवारण प्रणाली (आईजीआरएस) से प्राप्त शिकायतों को उचित, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण में जनपद ललितपुर पुलिस को माह अक्टूबर-2024 की प्रदेश रैंकिंग में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। इसके साथ-साथ ऑनलाइन जनसुनवाई पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का मुख्यमंत्री कार्यालय से मूल्यांकन में प्रदेश के सभी 75 जिलों में जनपद ललितपुर को शत-प्रतिशत कार्यवाही के लिये प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। जनपद ललितपुर पुलिस द्वारा मुख्यमंत्री पोर्टल, जनसुनवाई, समाधान दिवस आदि पर प्राप्त शिकायतों का उचित, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण किया गया। जनशिकायतों के निस्तारण में प्रदेश में थानों की रैंकिंग में जनपद के सभी 16 थानों को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। इस परिणाम के लिए पुलिस अधीक्षक ने आईजीआरएस से जुड़े सभी अधिकारी/कर्मचारीगण को पूरी लगन व मेहनत से कार्य हेतु भूरि-भूरि प्रशंसा की है तथा 25 हजार रुपये की धनराशि के पुरस्कार व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करते हुये निकट भविष्य में इसी प्रकार पूरी लगन व मेहनत से कार्य करने हेतु प्रोत्साहित किया गया।

प्रथम रैंक प्राप्त थानों का नाम- आईजीआरएस में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले थानों में कोतवाली सदर, तालबेहट, बानपुर, बार, जखौरा, महरौनी, जाखलौन, नाराहट, मडावरा, पाली, पूराकलां, सौजना, महिला थाना, गिरार, बालाबेहट, मदनपुर थाने शामिल हैं।

आईजीआरएस टीम का विवरण- आईजीआरएस टीम में शामिल उप निरीक्षक राज किशोर मिश्रा, मुख्य आरक्षी दीपक कुमार, कां.धर्मेन्द्र कुमार, कां. गौरव शर्मा, महिला कां. सोनम गोयल आईजीआरएस सेल शामिल हैं।

जनपद में 40 नवीन राजकीय माध्यमिक विद्यालयों की स्थापना से शिक्षा की सूरत एवं गुणवत्ता बदलेगीः डीएम

जिलाधिकारी के लगातार प्रयासों से जनपद को शिक्षा के क्षेत्र में मिली बड़ी सौगातजनपद में कुल 40 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों की स्वीकृति मिली है25 विधानसभा महरौनी व 15 विधानसभा ललितपुर में बनेंगेललितपुर। भारत सरकार द्वारा समग्र शिक्षा (पूर्ववर्ती राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान) के अंतर्गत जनपद ललितपुर में वर्ष 2022-23, वर्ष 2023-24 एवं वर्ष 2024-25 की वार्षिक कार्ययोजना एवं बजट में जिला विद्यालय निरीक्षक ललितपुर द्वारा भेजे गये प्रस्तावों के क्रम में स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। जनपद में वर्ष 2022-23 में 02 इण्टर कॉलेज, वर्ष 2023-24 में 16 नवीन राजकीय हाईस्कूल एवं वर्ष 2023-24 में 05 उच्चीकृत इण्टर कॉलेज स्वीकृत हुये हैं। वर्ष 2024-25 में 17 हाईस्कूल एवं वर्ष 2024-25 में 02 उच्चीकृत इण्टर कालेज स्वीकृत हुये हैं। हाईस्कूल निर्माण हेतु लागत 132.77 लाख है जबकि इण्टर कॉलेज की निर्माण लागत 221.00 लाख है। उ.प्र. शासन द्वारा उपरोक्त नवीन राजकीय हाईस्कूलों एवं इण्टर कॉलेजों के निर्माण हेतु यू.पी. सिडको को कार्यदायी संस्था नामित कर दिया गया है। विधानसभा महरौनी में 20 हाईस्कूल एवं 05 इण्टर कॉलेज कुल 25 विद्यालय तथा विधानसमा ललितपुर में 13 हाईस्कूल एवं 02 इण्टर कॉलेज कुल 15 विद्यालय स्वीकृत हुये हैं। जनपद में पहली बार 40 माध्यमिक विद्यालय स्वीकृत हुये हैं जो प्रदेश में स्वीकृत विद्यालयों में सर्वाधिक है। सभी 40 विद्यालयों की स्वीकृत लागत 5784.86 लाख है जिसके सापेक्ष प्रथम किश्त के रूप में 2892.43 लाख की धनराशि प्राप्त हो गयी है जिसे शासन द्वारा नामित कार्यदायी संस्था यू.पी. सिडको को निर्गत किये जाने की कार्यवाही की जा रही है। उपरोक्त विद्यालयों की स्वीकृति से जनपद के अत्यधिक सुदूरवर्ती क्षेत्रों में माध्यमिक शिक्षा की पहुंच आसान/सुलभ हो जायेगी। छात्र-छात्राओं को कक्षा 9-10 एवं 11 एवं 12 की शिक्षा के लिए अत्यधिक दूर नगरीय क्षेत्रों में नहीं जाना पड़ेगा। राजकीय विद्यालय होने से निर्बल वर्ग के लोगों को शिक्षा प्राप्त करने के लिए आर्थिक समस्याओं का अब सामना नहीं करना पड़ेगा। शिक्षा की गुणवत्ता भी सुधरेगी।

निर्मल और स्वच्छ मन वाले को ही मिलता है,भगवान का आशीर्वाद - स्वामी धीरेन्द्राचार्य जी

पंकज त्रिपाठी ब्यूरो चीफ दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । एसएएफ 17 वीं बटालियन माता मंदिर प्रांगण पर आयोजित हो रही,श्री राम कथा अमृत महोत्सव में तृतीय दिवस की श्री राम कथा मैं व्यास जी महाराज के रूप में अनंत श्री विभूषित हनुमत द्वार पीठाधीश्वर जगतगुरु रामानंदाचार्य स्वामी धीरेन्द्राचार्य जी महाराज चित्रकूट धाम द्वारा श्री राम कथा का वाचन किया जा रहा है। कथा के तीसरे दिवस महाराज जी ने संबोधित करते हुए बताया कि श्रीराम कथा का तीसरा दिन- निर्मल और स्वच्छ मन वाले को ही मिलता है भगवान का आशीर्वाद मिलता है महाराजजी ने बताया कि-भगवान सर्वत्र व्याप्त है। प्रेम से पुकारने व सच्चे मन से सुमिरन करने पर भगवान कहीं भी प्रकट हो सकते है। भगवान राम के जन्म की व्याख्या करते हुए बताया कि राम जन्म की कथा का वर्णन करते हुए गुरु जी ने बताया कि राजा दशरथ ने गुरू वशिष्ठ एवं ऋंगी ऋषि को बुलवाकर संतान प्राप्ति हेतु पुत्रेष्ठी यज्ञ करवाया। राजा ने यज्ञ के प्रसाद (खीर) को अपने महल में ले जाकर तीनों रानियों को वितरित किया जिससे वे गर्भवती हो गई ।चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को दशरथ की बड़ी रानी कौशल्या के गर्भ से नीलवर्ण, चुंबकीय आकर्षण वाले, अत्यंत तेजस्वी बालक राम का जन्म हुआ । इसके पश्चात शुभ नक्षत्र और शुभ घड़ी में महारानी कैकई को एक तथा रानी सुमित्रा के दो बालक पैदा हुए । राम जन्म की खुशी में देवता लोग आकाश मार्ग से पुष्प वर्षा करने लगे और अयोध्या नगरी में घर-घर बधाइयां बंटने लगी ।

चार दिवसीय छठ महापर्व का हुआ आगाज,बस्तर सांसद ने क्षेत्रवासियों को दी छठ महापर्व की शुभकामनाएं

जगदलपुर।बस्तर लोकसभा क्षेत्र से सांसद महेश कश्यप ने लोक आस्था के प्रतीक चार दिवसीय महापर्व छठ के अवसर पर समस्त प्रदेशवासियों व क्षेत्रवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। इसी के साथ ही भगवान भास्कर से राज्य व क्षेत्र की प्रगति, सुख, समृद्धि, शांति और सौहार्द्र के लिये प्रार्थना भी की है।सांसद श्री कश्यप ने कहा कि छठ पूजा का पर्व सूर्य देवता की उपासना और प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करने का महान अवसर है। सांसद ने कहा कि यह पर्व प्रकृति और मानव के बीच के प्रेम को भी दर्शाता है। उन्होंने कहा कि सूर्य देवता की आराधना करने से हम जीवन के हर पहलू में सकारात्मकता और नई ऊर्जा का अनुभव

जिला स्तरीय कार्यक्रम में पद्मश्री श्री सैनी को किया गया सम्मानित

सांस्कृतिक कार्यक्रम में स्कूली बच्चों ने दी शानदार प्रस्तुति

जगदलपुर / छत्तीसगढ़ राज्य के 24 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में राज्योत्सव 2024 का आयोजन जगदलपुर के सिटी ग्राउंड में किया गया। इस भव्य आयोजन में बस्तर क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोंडागाँव विधायक सुश्री लता उसेंडी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने इस राज्योत्सव में चार चांद लगाए, जिसमें स्कूली बच्चों और लोक नर्तक दलों की शानदार प्रस्तुतियाँ विशेष आकर्षण रहीं। कार्यक्रम में सुश्री उसेंडी ने कहा कि राज्योत्सव के अवसर 24 साल में छत्तीसगढ़ के निर्माण करने वाले विभूति पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री अटल बिहारी बाजपेयी को नमन करते हुए राज्य और जिलों के निर्माण और विकास में योगदान के लिए आभार व्यक्त की। प्रदेश विकास की ऊँचाइयों को छुए यही हमने कामना की है, राज्य ने कई आयाम को पाया है। हमारे सरकार के समय कई विकास के कार्य हुए जिसका लाभ बस्तर को भी मिला। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार कई कल्याणकारी योजनाओं का संचालन कर रही है। युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान की जा रही है। प्रधानमंत्री के द्वारा आत्मनिर्भरता पाठ के साथ उस पर कार्य करने की पहल की गई है और भी कई जनकल्याणकारी योजनाएं चलाया जा रहा है। साथ ही हमे विकसित भारत के संकल्पना में सारे इंडिकेटर को पूरा कर देश और प्रदेश को विकसित बनाने का प्रयास करना है जिसमें सभी की सहभागिता जरूरी है। उन्होंने कार्यक्रम में सभी को राज्योत्सव की बधाई और शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने विभिन्न विभागों के स्टॉल का अवलोकन कर हितग्राहीमूलक योजनाओं के अंतर्गत हितग्राहियों को सामग्री एवं चेक वितरित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर सफिरा साहू ने भी सभी नगर और प्रदेशवासियों को 24 वर्ष राज्योत्सव की बधाई दी। उन्होंने कहा कि देश में छत्तीसगढ़ राज्य की अलग पहचान है, सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहर से परिपूर्ण राज्य के रूप में पहचाना जाता है। ऐसे ही हमारे बस्तर क्षेत्र को भी जाना जाता है, राज्योत्सव के इस कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम में हमारे बस्तर की छवि को प्रदर्शित करने वाले प्रमुख लोक नृत्यों को प्रस्तुत किया जा रहा है, इसके लिए सभी को बधाई।कार्यक्रम के स्वागत उद्बोधन में कलेक्टर हरिस एस ने बताया कि जिले में हमने विभागीय योजनाओं और नवाचारों के द्वारा कई विकास कार्यों को गति दी है जिसका संक्षिप्त प्रदर्शन विभागीय स्टालों के माध्यम से किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य है कि हर नागरिक सशक्त और आत्मनिर्भर बने, अपने हुनर और सामर्थ्य को पहचाने। साथ ही बस्तर क्षेत्र के प्राकृतिक संसाधन, लोक कला, नृत्य शैली व सांस्कृतिक परंपरा को संरक्षण कर सांस्कृतिक धरोहर को देश-विदेश में प्रदर्शित कर नाम कमाया है। इस राज्योत्सव के माध्यम से प्राकृतिक संसाधन, पर्यावरण, लोक कला-संस्कृति का संदेश देना चाहते हैं ताकि आने वाले पीढ़ी को इस धरोहर का लाभ दे सकें। इस अवसर पर गणमान्य जनप्रतिनिधि, एमआईसी के सदस्य-पार्षदगण, कमिश्नर डोमन सिंह, आईजी सुंदरराज पी., पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा, जिला पंचायत सीईओ सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई, डीएफओ उत्तम गुप्ता सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी और बहुसंख्यक नागरिकगण उपस्थित थे।कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों ने अपनी योजनाओं की जानकारी देने के लिए प्रदर्शनी लगाई, जिससे आम जनता को इन योजनाओं की जानकारी प्राप्त हुई। कार्यक्रम में पद्मश्री से सम्मानित श्री धरमपाल सैनी को धुरवा तुवाल और स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम में सहभागिता निभाने वाले लोक नर्तक दल, स्कूली बच्चों को प्रशस्ति पत्र सहित क्विज प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किया गया।

11ब्राह्मणों को वैदिक विद्वान प्रतिभा से किया सम्मानित,

25 को होगा ब्राह्मण परिचय सम्मेलन

10 तक होंगे निशुल्क पंजीयन

सकल ब्राह्मण महासमिति का दीपावली मिलन अन्नकूट सम्पन्न

ग्वालियर । सकल ब्राह्मण महासमिति के तत्वाधान में सनाढ्य ,भार्गव, आदि गौड़, कान्यकुब्ज, जिझोतिया, ब्रह्मभट्ट, पंजाबी ब्राह्मण, महाराष्ट्रीयन ,गुर्जर गौड़, सरयूपारी, त्रृषीशवर, ब्रह्म भट्ट ब्राह्मण, बरूआ ब्राह्मण सहित सभी उपवर्गीय ब्राह्मणों ने आज पांडव पंचमी एवं छठ पर्व के अवसर पर दीपावली मिलन-अन्नकूट एवं वैदिक विद्वान प्रतिभा सम्मान समारोह प्रधान कार्यालय ऊंट पुल जिंसी नाले पर सकल ब्राह्मण महासमिति के अध्यक्ष प्रकाश नारायण शर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि के रूप डॉ केशव पांडे ने 11 ब्राह्मण को जिसमें आचार्य चैतन्य महाप्रभु पंडित गिरिराज शरण शर्मा गुरूजी ,पंडित अंबिका प्रसाद पचौरी ,पं.रमाकांत शास्त्री,पं.भरत शास्त्री , पंडित मदन मोहन शास्त्री, पंडित कालीचरण शर्मा,पंडित डॉक्टर भैरव दत्त शास्त्री ,पंडित राजेंद्र शास्त्री ,पंडित सुनील दंडोतिया ,पंडित विकास त्रिपाठी, को वैदिक विद्वान प्रतिभा सम्मान से शाल, श्रीफल, स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में ब्राह्मण सभा मुरार की पूर्व अध्यक्ष नरेश कटारे, डॉक्टर अशोक मिश्रा, कानपुर ब्राह्मण मंडल के अध्यक्ष शशिकांत दीक्षित, ओपी पाठक,देवेंद्र दुबे, राकेश नायक, रवि आनंद गौड़, आदि गौड़ ब्राह्मण महासभा के अध्यक्ष महेश मिश्रा, भार्गव समाज के विजय शर्मा, श्याम बाबू शर्मा,लालता प्रसाद मिश्रा, ब्रह्म दत्त पांडे, ब्रह्म भट्ट ब्राह्मण समाज के महामंत्री डॉ मुन्नालाल शर्मा, सकल ब्राह्मण महासमिति महिला

अध्यक्षा श्रीमती बीना भारद्वाज, कांता शर्मा, सुधा दीक्षित, रेनू शर्मा मंचासीन थे। स्वागत भाषण महिला अध्यक्ष श्रीमती बीना भारद्वाज ने दिया तथा अतिथियों का स्वागत मनोज त्रिपाठी जी ने किया। संचालन सकल ब्राह्मण महासमिति के संस्थापक डॉ जयवीर भारद्वाज ने किया। गायत्री मंत्र वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ मां सरस्वती जी की वंदना कर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ इस अवसर पर ब्राह्मण युवक युवती एवं परिवार परिचय सम्मेलन 25 दिसम्बर को ग्वालियर में चेम्बर्स आफ़ कामर्स भवन, अचलेश्वर मंदिर के पास, सुबह 11-30 बजे से होगा। सम्मेलन के निशुल्क पंजीयन 10 नवंबर तक होंगे। एवं सकल ब्राह्मण महासमिति के सक्रिय, साधारण ,आजीवन सदस्य 8 नवंबर तक बनाने का निर्णय लिया। कार्यक्रम में विशेष रूप से सहयोगी में नीतू शर्मा, रेनू शर्मा ,रेखा चतुर्वेदी,शशि गोस्वामी , संध्या तिवारी, संगीता शर्मा,रूबी शर्मा ,रश्मि त्रिपाठी, माया शर्मा ,अंजू गुप्ता अंजू दीक्षित, गीता मिश्रा, सुचित्रा शर्मा, अल्का मिश्रा, किरण मिश्रा, योगिता शर्मा, रचना गौड़,को भगवान परशुराम जी का अंगवस्त्र ओढ़ाकर स्वागत किया गया। सभी ने तिलक लगाकर एक दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं प्रेषित की। सैकड़ो ब्राह्मणों ने अन्नकूट की प्रसादी का आनन्द लिया। आभार समिति के महामंत्री डॉ मुन्नालाल शर्मा ने व्यक्त किया

लोकमंत्रणा में आने वाली शिकायतों का शत प्रतिशत निराकरण हों : महापौर डा. सिकरवार

ग्वालियर। महापौर लोकमंत्रणा के दौरान आने वाले हितग्राहियों के शिकायती आवेदनों का शत प्रतिशत निराकरण हो इसके लिए संबंधित अधिकारी त्वरित कार्यवाही करें। यह निर्देश गुरूवार को महापौर डॉ. शोभा सतीश सिंह सिकरवार ने लोकमंत्रणा करते हुये संबंधित अधिकारियों को दिए। लोकमंत्रणा में उपनेता सत्ता पक्ष मंगल भैया योगेन्द्र, मेयर इन काउंसिल के सदस्य अवधेश कौरव, श्रीमती गायत्री सुधीर मंडेलिया, विनोद यादव माठू, अपर आयुक्त विजय राज, मुनीश सिंह सिकरवार, उपायुक्त अनिल दुबे, डॉ प्रदीप श्रीवास्तव उपस्थित थे।

महापौर लेकमंत्रणा में महापौर को वार्ड 55 चना कोठार कंपू लश्कर निवासी शमीम बेगम ने आवेदन देते हुए बताया कि पडोसी ने सामान्य रास्ता बंद कर सीवर चेम्बर पर अतिक्रमण कर लिया है जिससे आवेदक के घर का रास्ता बंद हो गया है। आवेदक ने अतिक्रमण हटाये जाने के संबंध में अपना आवेदन दिया। जिस पर सुनवाई करते

हुए महापौर ने क्षेत्राधिकारी को उचित कार्यवाही के लिए निर्देश किया। इसी प्रकार वार्ड 7 धर्मेन्द्र नगर लधेडी जगनापुर उचाडिया बाबा मंदिर के पास सागरताल निवासी किशन सिंह बैस ने महापौर को आवेदन देते हुए बताया कि उचाडिया बाबा मंदिर के पास नाले का निर्माण किया गया परंतु आज दिनांक तक सफाई नहीं की गई तथा जाली भी नहीं लगाई है। जिस कारण आमजन द्वारा नाले में कचरा डाला जा रहा है। इसके साथ ही वार्ड 28 नितिन नगर गली नम्बर 2 थाटीपुर के समस्त निवासी गणों ने महापौर डॉ. सिकरवार को आवेदन देते हुए अवगत कराया कि श्री एच एस भीलवार एवं उनके परिवार द्वारा स्वयं की बोरिंग से रोड पर क्षमता से अधिक पानी फैलाना एवं गंदा पानी सीवर चेम्बर में निकालकर दूसरों के दरवाजों की ओर पानी कर गंदगी फैलाने आदि से संबंधित शिकायत महापौर से की। महापौर ने लोकमंत्रणा में 13 से अधिक आये आवेदनों पर सुनवाई करते हुये कार्यवाही के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया।

स्काउट एवं गाइड का स्थापना दिवस मना

पर्याप्त खाद होने के बावजूद भी आखिर किसान क्यों परेशान

ग्वालियर। भारत स्काउट एवं गाइड का 75वां स्थापना दिवस गुरूवार को हर्षोल्लास के साथ अधिकारियों को ध्वज स्टीकर लगाकर मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न कार्यालयों पर जाकर स्काउट के आंदोलन की जानकारी दी गई। इस मौके पर ए.एस.ओ.सी. शंकर सिंह, जिला मुख्यालय आयुक्त बृजेन्द्र सिंह जादौन, दीपक पांडे, जिला शिक्षा अधिकारी अजय कटियार, जिला सचिव सुरेन्द्र भदौरिया, जिला कोषाध्यक्ष एस.डी. उपाध्याय,

एस.डी.एम. टी.एन. सिंह, ए.डी.एम. विनोद सिंह, शिवनारायण शेखर उपाध्यक्ष, श्रीमती सविता भाटिया फलॉक लीडर, सुरेश चन्द्र शर्मा डी.टी.सी., श्रीमती साधना अग्निहोत्री डी.टी.सी., श्रीमती संगीता आर्य संयुक्त सचिव, राजेन्द्र सिंह ठाकुर, श्रीमती सुगंधा गोलवरकर गाइडर, श्रीमती पूर्णिमा शर्मा गाइडर, श्रीमती ममता शर्मा, प्रीतम सिंह गोयल, सुजीत जैन, प्रताप माहौर हेड क्वार्टर ओपन रोवर क्रू., नरेन्द्र पिप्पल, हेमन्त गुप्ता रोवर आदि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव अल्प प्रवास पर ग्वालियर आए

ग्वालियर । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गुरुवार को अल्प प्रवास पर ग्वालियर पधारे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का अपरान्ह लगभग 3 बजे वायु मार्ग से राजमाता विजयाराजे सिंधिया विमानतल महाराजपुरा पर आगमन हुआ। उन्होंने यहाँ से थो?ी देर बाद हैलीकॉप्टर द्वारा श्योपुर जिले के लिये प्रस्थान किया।

विमानतल पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव का विधायक मोहन सिंह राठौर, पूर्व विधायक मुन्नालाल गोयल व दीपक शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधिगणों ने स्वागत किया। विमानतल पर संभाग आयुक्त मनोज खत्री, पुलिस महानिरीक्षक अरविंद सक्सेना, कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह एवं निगम आयुक्त अमन वैष्णव सहित

सिविल सर्विसेज की परीक्षा को निकालने अपडेट रहना जरूरीः आईपीएस कु. बंसल

ग्वालियर। शासकीय केन्द्रीय पुस्तकालय एवं गुरूकुल ड्रीम फाउण्डेशन के तत्वाधान में गुरूवार को शासकीय केन्द्रीय पुस्तकालय के रंगनाथन सभागार में सिविल सर्विसेज मास्टरक्लास का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आई.पी.एस. कु. आयुषी बंसल जी (यूपीएससी 2023 रैंक 97, यूपीएससी 2022 रैंक 188) उपस्थित थी। इस मास्टरक्लास का मुख्य उददेश्य सिविल सर्विसेज की तैयारी कर रहे छात्र-छात्राओं का सही दिशा में मार्गदर्शन प्रदाय कर उनके प्रश्नों के उत्तर प्रदाय करना था। कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती जी की मूर्ति पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलित कर किया गया।कार्यक्रम में आई.पी.एस. कु. आयुषी बंसल ने मास्टरक्लास में सिविल सर्विसेज की तैयारी कर रहे छात्र - छात्राओं को सिविल सेवा परीक्षा का परिचय, परीक्षा की रणनीति और तैयारी रोडमैप, प्रारंभिक रणनीति में निपुणता, मुख्य परीक्षा के लिए उत्तर लेखन तकनीक, समसामयिक मामलों में महारत, वैकल्पिक विषय मार्गदर्शन, अर्थशास्त्र और निबंध लेखन, इंटरैक्टिव संदेह - समाधान सत्र आदि विषयों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने छात्र-छात्राओं को बताया कि सिविल सर्विसेज की परीक्षा को पास करने के लिये न्यूज पेपर, सिलेबस, पिछ्ले वर्षों के प्रश्न पत्र, रिविजन, टापर्स नोट बुक आदि से छात्रों को अपडेट रहना चाहिये।

जनसुनवाई में आए दिव्यांग नारायण सिंह की समस्या का हुआ त्वरित समाधान

कलेक्टर दुबे ने दिखाई संवेदनशीलता मौके पर ही प्रदान की गई बैसाखी फरियादी ने प्रकट किया आभार

रायसेन कलेक्ट्रेट कार्यालय स्थित सभाकक्ष में प्रत्येक मंगलवार को आयोजित की जा रही जनसुनवाई में कलेक्टर अरविंद दुबे द्वारा नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुनकर उनका संवेदनशीलता के साथ निराकरण किया जा रहा है। जनसुनवाई में जरूरतमंदों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप तत्काल सहायता भी उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। मंगलवार को जनसुनवाई में कलेक्टर दुबे के पास अपनी समस्या लेकर पहुंचे ग्राम माखनी निवासी दिव्यांग नारायण सिंह लोधी को कलेक्टर दुबे के निर्देश पर तत्काल बैसाखी प्रदान की गई।जनसुनवाई में आए दिव्यांग नारायण सिंह ने बताया कि उन्हें शासन द्वारा बैटरी चलित ट्रायसकिल दी गई है,लेकिन चार्जर गुम हो जाने से बैटरी चार्ज नहीं हो पा रही है जिससे आवागमन में समस्या हो रही है। कलेक्टर दुबे ने जनसुनवाई में उपस्थित सामाजिक न्याय विभाग के उप संचालक मनोज बाथम को दिव्यांग नारायण सिंह की समस्या के शीघ्र समाधान हेतु निर्देशित किया। साथ ही तत्कालीक समाधान हेतु बैसाखी उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए। नारायण सिंह को जनसुनवाई में ही बैसाखी प्रदान की गई साथ ही ट्रायसकिल का चार्जर भी शीघ्र उपलब्ध करा दिया जाएगा। जिस पर नारायण सिंह ने कलेक्टर दुबे एवं सामाजिक न्याय विभाग के उपसंचालक मनोज बाथम को धन्यवाद देते हुए आभार व्यक्त किया। नारायण सिंह ने बताया कि उन्हें प्रतिमाह दिव्यांगता पेंशन की राशि भी मिलती है।

सांसद के अथक प्रयास से बनखेड़ी स्टेशन पर वेरावल (सोमनाथ) एक्सप्रेस का ठहराव

सांसद ने हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को रवाना किया

नर्मदापुरम/बनखेड़ी ।विगत वर्षो से चली आ रही मांग सांसद के अथक प्रयास से हुई पूरी। जबलपुर रेल मंडल के बनखेड़ी स्टेशन पर बुधवार 6 नवंबर को शाम 4.15 बजे जबलपुर से वेरावल के बीच चलने वाली सोमनाथ ट्रेन नंबर 11464 का ठहराव समारोह आयोजित हुआ. इस समारोह में नर्मदापुरम क्षेत्र के सांसद दर्शन सिंह चौधरी एवं राज्य सभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया एवं पिपरिया विधायक ठाकुरदास नागवंशी सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे ।उपस्थित अतिथियों का स्वागत अपर मंडल रेल प्रबंधक सुनील टेलर द्वारा किया गया । सोमनाथ ट्रेन को हरी झंडी दिखाने के पूर्व गाड़ी के चालक एवं परिचालक का स्वागत श्री चौधरी द्वारा किया गया एवं सोमनाथ एक्सप्रेस ट्रेन को रवाना करने के उपरांत समारोह को संबोधित करते हुए इस ठहराव के लिए रेलवे को धन्यवाद दिया. इस

अवसर पर सांसद श्री चौधरी ने कहा कि आज से अब इस नई गाड़ी के रुकने से बनखेड़ी क्षेत्र के लोगों को सुविधा मिलेगी। एवं अन्य सुविधाओं के लिए प्रयास जारी है जल्द ही और भी सुविधा बनखेड़ी रेल्वे स्टेशन एवं संसदीय क्षेत्र के अन्य रेल्वे स्टेशनों को मिलेंगी। जबलपुर से प्रस्थान करने वाली गाड़ी संख्या 11464 का बनखेड़ी स्टेशन में आगमन शाम 04:15 बजे तथा वेरावल से वापसी मे गाड़ी संख्या 11463 का बनखेड़ी स्टेशन में आगमन सुबह 10:29 बजे रहेगा। इस कार्यक्रम में रेलवे अधिकारी सीनियर डीसीएम डॉ. मधुर वर्मा, एसीएम अखिलेश कुमार नायक एवं ग्रेसियस नाजरत स्टेशन मास्टर सुनील साहू समस्त कर्मचारी नगर परिषद अध्यक्ष हरीश मालानी एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता कार्यकर्ता व नगर की जनता उपस्थित थे।बनखेड़ी की जनता ने सांसद दर्शन सिंह चौधरी का बड़े ही जोशीले अंदाज में स्वागत किया एवं आभार व्यक्त किया।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478